राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 12 जून 2024 वर्ष–7,अंक–139 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चंद्रबाबू नायडू विधायक दल के नेता चुने गए

आंध्र प्रदेश गवर्नर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया

अमरावती। आंध्र प्रदेश में नई सरकार बनाने के लिए मंगलवार को एनडीए की तेलुगु देशम पार्टी, जनसेना और भाजपा विधायकों ने विजयवाड़ा में मीटिंग की। इसमें टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू को सर्वसम्मति से एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। एक्टर से नेता बने जनसेना प्रमुख पवन कल्याण को विधानसभा में फ्लोर लीडर चुना गया। इसके बाद नायडू और कल्याण राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मिलने राजभवन पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सूत्रों के मुताबिक, नायडू 12 जून को विजयवाड़ा में गन्नावरम एयरपोर्ट के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में सुबह 11.27 बजे शपथ लेंगे। सीएम के तौर पर यह उनका चौथा कार्यकाल होगा। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। चर्चा है कि नायडू के साथ पवन कल्याण डिप्टी सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। इसके अलावा टीडीपी महासचिव और नायडू के बेटे नारा लोकेश और जनसेना नेता एन मनोहर के भी शपथ लेने की संभावना है। नायडू के मंत्रिमंडल में TDP को 20, जनसेना को तीन और भाजपा को दो मंत्री पद मिल सकता है।

मोहन माझी होंगे ओडिशा के नए सीएम

-कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा होंगे डिप्टी सीएम

भुवनेश्वर। मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में तीनों के नाम की घोषणा की। शपथ 12 जून को होगा। मोहन चरण माझी क्योंझर से 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 विधानसभा चुनाव में बीजद की वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। इसके अलावा वे 2019, 2009 और 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। कनक वर्धन सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं। कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम, 2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

ओडिशा में पहली बार भाजपा को बहुमत

ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार बहुमत के साथ जीत हासिल की है। राज्य की 147 सीटों में से भाजपा को 78 सीटें मिली हैं। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को 51, कांग्रेस को 14, सीपीआईएम को 1 और अन्य को 3 सीटों पर जीत मिली है।

भारत आएगी 500 साल पुरानी मूर्ति

नई दिल्ली। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को 500 साल पुरानी एक कांसे की मूर्ति लौटाने वाली है। यह मूर्ति संत तिरुमंगई अलवार की है, जो 16वीं सदी के दौरान तमिलनाडु के एक मंदिर से चोरी हो गई थी। संत तिरुमंगई अलवार दक्षिण भारत के 12वें अलवर संतों में से अंतिम थे। फिलहाल यह मूर्ति ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एशमोलियन म्यूजियम में रखी गई है, जिस देखने के लिए लगभग 1800 रुपए देने पड़ते हैं। संत तिरुमंगई अलवार की यह मूर्ति 1 मीटर ऊंची है। इसे 1967 में डॉ. जे.आर. बेलमोंट ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में रखवाया था।

महाराष्ट्र में अजीत-शिंदे को लगेगा झटका...

25 से ज्यादा विधायक-सांसद छोड़ेंगे साथ

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की करारी पराजय और महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की शानदार जीत के बाद अब राकांपा और शिवसेना छोड़कर गए 25 से ज्यादा विधायक और सांसद वापस पार्टी में लौटने को तैयार हैं। राकांपा (शरद पवार) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अजीत पवार के साथ गए विधायक और सांसद वापस पार्टी में लौटना चाहते हैं। वहीं शिवसेना छोड़कर एकनाथ शिंदे के साथ गए कई विधायक और सांसद भी वापस शिवसेना में लौटना चाहते हैं। महाराष्ट्र में कुछ माह में विधानसभा चुनाव है। ऐसे में शिंदे और अजीत पवार गुट के विधायक और सांसद दोबारा अपनी पार्टी में लौटते हैं तो विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए को बड़ा झटका लग सकता है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की राज्यसभा सीट रिक्त घोषित

भोपाल। गुना से सांसद निर्वाचित होने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की राज्यसभा सीट रिक्त घोषित हो गई है। इस सीट के लिए अब उपचुनाव होगा। सिंधिया मध्यप्रदेश से 9 अप्रैल 2020 को राज्यसभा के लिए चुने गए थे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपी एक्ट), 1951 की धारा 69 (2) के तहत यदि कोई व्यक्ति जो पहले से राज्यसभा का सदस्य है और वह लोकसभा का सदस्य निर्वाचित हो जाता है तो राज्यसभा में उस व्यक्ति की सीट सांसद चुने जाने की तारीख से स्वत- खाली हो जाती है। इसलिए 4 जून से ही सिंधिया राज्यसभा के सदस्य नहीं रहे। मोदी 3.0 कैबिनेट में सिंधिया को संचार और पूर्वोत्तर विकास मंत्री बनाया गया है।

लोकसभा स्पीकर पद के चुनाव में शक्ति परीक्षण

भाजपा ओम बिरला को स्पीकर बनाने के पक्ष में

नई दिल्ली ।

लोकसभा के अध्यक्ष पद को लेकर टीडीपी, भारतीय जनता पार्टी के ऊपर बड़ा दबाव बना रही है। चंद्रबाबू नायडू ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था। अध्यक्ष पद अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में भी, टीडीपी के पास था। इस कार्यकाल में भी उनका ही अध्यक्ष होगा। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी के पुत्र, जीएम हरीश मधुर तेलुगु देशम पार्टी से चुनाव जीतकर संसद में पहुंचे हैं। तेलुगु देशम पार्टी उन्हें लोकसभा का अध्यक्ष बनाना चाहती है। यह दलित नेता भी हैं।

वहीं भारतीय जनता पार्टी हर हालत में ओम बिरला को लोकसभा का अध्यक्ष बनाना चाहती है। तेलुगु देशम पार्टी यदि इसके लिए तैयार नहीं हुई, ऐसी स्थिति में तुरूप के पत्ते के रूप में भारतीय जनता पार्टी पुरंदेश्वरी देवी का नाम आगे बढ़ा सकती है। मनमोहन सरकार में वह मंत्री रह चुकी हैं।तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक रामाराव नायडू की बेटी हैं। चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की बहन है। तेलुगु देशम पार्टी को उनके नाम पर सहमत कराने का प्रयास भाजपा के नेता कर रहे हैं। एनडीए के सहयोगी दल चाहते हैं। अध्यक्ष पद पर सहयोगी दलों का अधिकार हो। दलबदल जैसे मामलों में अध्यक्ष की भूमिका बड़ी निर्णायक होती है। सदन के कामकाज में भी अध्यक्ष के निर्णय बड़े महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसी स्थिति में चंद्रबाबू नायडू ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष के पुत्र हरीश मधुर का नाम आगे बढ़ाया है। चंद्रबाबू नायडू के यह विश्वसनीय है। इस नाम पर भाजपा तैयार नहीं हो रही है।

उपाध्यक्ष पद कांग्रेस के नाम

परंपरा के अनुसार सत्ता पक्ष अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के नाम को लेकर इंडिया गठबंधन के साथ आम सहमति बनने पर प्रयास कर रही है। इंडिया गठबंधन अध्यक्ष पद के लिए ओम बिरला के नाम पर सहमत नहीं है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी उपाध्यक्ष पद के लेनदेन को लेकर, ओम बिरला के नाम पर सहमति बनना चाहती है।सहयोगी दलों और इंडिया गठबंधन के दलों का अध्यक्ष पद के चुनाव में आम राय से सहमति बन जाए। इसलिए सरकार उपाध्यक्ष पद कांग्रेस को देने के लिए तैयार दिख रही है।

प्रोटेम स्पीकर

अगले सप्ताह लोकसभा का सत्र बुलाया जा सकता है। इसमें सभी नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलवाई जाएगी। प्रोटेम स्पीकर के रूप में कांग्रेस के कोडीकुन्निल सुरेश सातवीं बार के चुने हुए सबसे वरिष्ठ सांसद हैं।

भाजपा के वीरेंद्र कुमार सातवीं बार निर्वाचित हुए हैं। लेकिन वह कैबिनेट मंत्री बन गए हैं। ऐसी स्थिति में प्रोटेम स्पीकर कोडिकुन्निल का बनना तय माना जा रहा है। प्रोटेम स्पीकर सभी सदस्यों को शपथ दिलाने और लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव कराते हैं। जैसे ही नए अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा।उसके बाद प्रोटेम स्पीकर की भूमिका समाप्त हो जाती है।

मोदी कैबिनेट गठन के बाद राज्यों को मिला 1,39,750 करोड़

मप्र को मिले 10,970 करोड़

नई दिल्ली।

केंद्र ने जून के लिए राज्यों को 1,39,750 करोड़ रुपए का टैक्स डिवोल्यूशन (कर हस्तांतरण) जारी करने की मंजूरी दे दी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि डिवोल्यूशन अमाउंट की नियमित रिलीज के अलावा, एक अतिरिक्त किस्त जारी करने का भी फैसला लिया है। नई किस्त में सबसे ज्यादा टैक्स डिवोल्यूशन पाने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश (25069 करोड़) पहले नंबर पर है। बिहार को (14056 करोड़) दूसरे नंबर पर और मप्र (10970 करोड़) तीसरे नंबर पर है। सबसे कम सिक्किम (542 करोड़) है। टैक्स डिवोल्यूशन यानी, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच टैक्स रेवेन्यू का डिस्ट्रीब्यूशन। यह केंद्र और राज्यों के बीच कुछ टैक्सों से होने वाली कमाई को उचित और न्यायसंगत तरीके से अलॉकेट करने के लिए स्थापित एक कॉन्स्टिट्यूशनल मैक्निज्म है। अभी केंद्र सरकार जो भी टैक्स कलेक्ट करती है उसका 41 प्रतिशत राज्यो को एक वित्त वर्ष में 14 किश्तों में वितरित करती है। वित्त वर्ष 2024-25 में जून महीने के लिए जारी गई इस राशि के साथ कुल 2 लाख 79 हजार 500 करोड़ रुपए राज्यों को दिए गए हैं।

राज्यों के विकास पर खर्च होती है राशि

देश के सभी राज्यों का विकास बराबरी से हो इसके लिए वित्त आयोग फंड बांटता है। इसके लिए एक फॉर्मूला अपनाता है। इसमें फिस्कल कैपिसिटी, फिस्कल डिसिप्लिन, राज्य की जनसंख्या, राज्य का क्षेत्रफल ध्यान में रखा जाता है। इसके कारण यूपी, एमपी, बिहार जैसे राज्यों को ज्यादा पैसा मिलता है। मोदी 3.0

सरकार के कैबिनेट के गठन के बाद विभागों का 10 जून की शाम बंटवारा हो गया। वित्त मंत्रालय एक बार फिर से निर्मला सीतारमण के हिस्से आया है। विभाग बंटवारे के तुरंत बाद ही वित्त मंत्री ने निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ को 4,761, गुजरात को 4,860, हरियाणा को 1,527, महाराष्ट्र को 8,828, राजस्थान को 8,421, तमिलनाडु को 5,700, पश्चिम बंगाल को 10,513, हिमाचल को 1,159 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसी तरह अन्य राज्यों को भी उनके हिस्से की राशि दी गई है।

शाह ने दूसरी बार केंद्रीय गृह मंत्री का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली ।

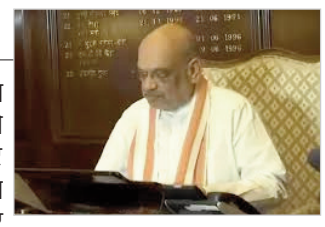

मोदी सरकार 3.0 के शपथ ग्रहण के बाद अमित शाह ने मंगलवार को दूसरी बार केंद्रीय गृह मंत्री का कार्यभार संभाला। कार्यभार संभालने से पहले श्री शाह सुबह साढे दस बजे चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक गए और शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और केन्द्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला भी थे। श्री शाह को लगातार दूसरी बार बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले गृह मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। कार्यभार संभालने के लिए नार्थ ब्लाक पहुंचने पर केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और बंडी संजय कुमार ने गुलदस्ता देकर शाह का स्वागत किया। अपने पहले कार्यकाल में श्री शाह ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने , जम्मू कश्मीर का दो केन्द्र शासित प्रदेशों में बंटवारा करने, अंग्रेजों के समय से लागू आपराधिक न्यायिक प्रणाली को बदलने और नागरिकता संशोधन अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए थे।

वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान जताया

नई दिल्ली।

वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 6.6प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान बरकरार रखा है. वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, इस दौरान मैन्युफैक्चरिंग और रियल एस्टेट में ज्यादा तेजी देखने को मिलेगी. इसी साल अप्रैल में विश्व बैंक ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए भारत की जीडीपी दर की वृद्धि का अनुमान 20 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 6.6त्न कर दिया था. ग्लोबल एजेंसी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा. हालांकि, भारत के अर्थव्यवस्था के विस्तार की रफ्तार मध्यम रहने की उम्मीद है.

विश्व बैंक ने 2023-24 में हाई ग्रोथ रेट के बाद 2024-25 से शुरू होने वाले तीन वित्तीय वर्षों के लिए औसतन 6.7त्न सालाना वृद्धि का अनुमान लगाया है. वर्ल्ड बैंक ने दक्षिण एशिया अर्थव्यवस्था की वृद्धि को लेकर कहा कि कुल मिलाकर 2024 में दक्षिण एशिया में ग्रोथ रेट 6.0 प्रतिशत मजबूत होने की उम्मीद है. जो मुख्य रूप से भारत में मजबूत ग्रोथ पाकिस्तान और श्रीलंका में रिकवरी से प्रेरित है. वर्ल्ड बैंक ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था की विकास दर 6.6 प्रतिशत होने की उम्मीद है.

वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही यानी जनवरी से मार्च 2024 में जीडीपी ग्रोथ 7.8प्रतिशत रही है. वहीं, पिछले साल की समान तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.1प्रतिशत रही थी. बीते दिनों सरकार ने पूरे साल यानी वित्त वर्ष 2024 के लिए भी जीडीपी का प्रोविजनल एस्टिमेट जारी किया. वित्तीय वर्ष 24 में जीडीपी ग्रोथ 8.2प्रतिशत रही है. पिछले वित्त वर्ष यानी, 2023 में जीडीपी ग्रोथ 7प्रतिशत रही थी. वहीं, वित्तीय वर्ष 24 की जीडीपी ग्रोथ रिजर्व बैंक के 7प्रतिशत के अनुमान से 1.2प्रतिशत ज्यादा है.

जीडीपी देश में एक अवधि के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापती है. इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं, उन्हें भी शामिल किया जाता है. आसान भाषा में कहे तो जीडीपी अर्थव्यवस्था की सेहत को दिखाती है.

भारतीय सेना जल्द ही जारी करेगी जगहों की लिस्ट के साथ एलएसी का नया मैप

तिब्बत की 30 जगहों के नाम बदलेगा भारत

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर के पद संभालते ही भारत ने चीन के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन को काउंटर करने के लिए भारत अब तिब्बत की 30 से ज्यादा जगहों के नाम बदलने जा रहा है। भारतीय सेना जल्द ही जगहों की लिस्ट के साथ एलएसी का नया मैप जारी करेगी। दरअसल, चीन ने अप्रैल में अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदले थे। चीन की सरकार इन इलाकों को अपना क्षेत्र बताती है। ड्रैगन की इसी हरकत का जवाब देने के लिए भारत सरकार ने यह फैसला लिया है। तिब्बत के इलाकों का नाम बदलने के लिए काफी रिसर्च की गई थी। इस दौरान इन जगहों के भारत की भाषा में पुराने नामों को आधार बनाकर नए नाम रखे गए हैं। भारतीय सेना की इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर डिविजन को इलाकों के नाम बदलने का जिम्मा सौंपा गया था। यह वही डिविजन है, जो गहरी रिसर्च के बाद चीन की तरफ से रखे गए अरुणाचल प्रदेश के इलाकों के नए नामों को भी खारिज करता है। नए नामों की लिस्ट को जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय सेना ने पिछले कुछ हफ्तों में अरुणाचल प्रदेश के उन इलाकों का दौरा भी किया, जिन्हें चीन अपना बताता है। इस दौरान पत्रकारों के जरिए क्षेत्रीय लोगों से भी बात की गई। उन्होंने चीन के दावों को खारिज करते हुए खुद को भारतीय नागरिक कहा।

चीन ने 30 जगहों के नाम बदले थे

चीन ने 1 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की 30 जगहों के नाम बदल दिए थे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इनमें 11 रिहायशी इलाके, 12 पर्वत, 4 नदियां, एक तालाब और एक पहाड़ों से निकलने वाला रास्ता था। हालांकि, इन जगहों के नाम क्या रखे गए हैं, इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। इन नामों को चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किया था। पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ था जब चीन ने अरुणाचल की जगहों का नाम बदले।

केंद्र सरकार ने पत्र लिखकर राज्यों को चेताया-रोगियों में लिवर-किडनी फेलियर का खतरा, जा सकती है जान

मप्र सहित 11 राज्यों में फैली लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी

नई दिल्ली ।

मप्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान सहित करीब 11 राज्यों में इन दिनों लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इंसानों में ये संक्रमण जानलेवा हो सकता है। बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों को अलर्ट जारी कर बचाव के निरंतर उपाय करते रहने की अपील की है। केंद्र सरकार ने पत्र लिखकर कहा है कि प्रभावित राज्यों में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इन इलाकों का दौरा करते समय स्वास्थ्य टीमों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण का कारण बनने वाले बैक्टीरिया मुख्यरूप से पानी या फिर मिट्टी में मौजूद हो सकते हैं। सभी राज्य प्रभावी ड्रेनेज की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें जिससे कि दूषित जल के माध्यम से होने वाले संक्रमण के जोखिमों को कम किया जा सके।

लेप्टोस्पायरोसिस एक प्रकार की संक्रामक बीमारी है जो लेप्टोस्पाइरा नामक बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण होती है। त्वचा पर खरोंच या कट के माध्यम से या आंखों, नाक या मुंह के माध्यम से आप लेप्टोस्पाइरा से संक्रमित हो सकते हैं। लेप्टोस्पायरोसिस एक जूनोटिक बीमारी है, जिसका अर्थ है कि यह जानवरों और मनुष्यों के बीच संचारित होती है। बरसात कि दिनों में जलजमाव वाली जगहों पर ये बैक्टीरिया अधिक पाए जाते हैं। संक्रमित जानवरों के मूत्र या प्रजनन द्रव के सीधे संपर्क में आने या फिर दूषित पानी-मिट्टी के संपर्क में आने, दूषित भोजन या पानी के जरिए भी आप इसके शिकार हो सकते हैं।

जानलेवा साबित हो सकती है बीमारी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की केरल इकाई के डॉ. राजीव जयदेवन बताते हैं, लेप्टोस्पायरोसिस से संक्रमित 10 फीसदी लोगों की मौत हो जाती है। इसलिए जिन लोगों में संक्रमण के लक्षण नजर आ रहे हों उन्हें समय रहते डॉक्टर से मिलकर उपचार प्राप्त करना जरूरी है। समय पर बीमारी की पहचान न हो पाने की स्थिति में रोग के गंभीर रूप लेने और जानलेवा होने का खतरा भी अधिक हो सकता है। लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण की स्थिति में रोगियों में शुरुआत में फ्लू जैसे लक्षण नजर आते हैं हालांकि गंभीर मामलों में इससे आंतरिक रक्तस्राव और अंगों की क्षति का खतरा हो सकता है। संक्रमण की शुरुआती स्थिति में तेज बुखार, आंखों में संक्रमण-लालिमा, सिरदर्द, ठंड लगने, मांसपेशियों में दर्द,

दस्त और पीलिया जैसी समस्या होती है। वहीं गंभीर स्थितियों में खांसी के साथ खून आने (हेमोप्टाइसिस), छाती में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, पेशाब में खून आने जैसे आंतरिक रक्तस्राव के लक्षण हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिर आतंकी हमला

जम्मू के कटरा में शिव खोरी गुफा मंदिर से माता वैष्णो देवी मंदिर तक तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर आतंकियों की गोलीबारी और उसके बाद हुई दुर्घटना जितनी दुखद है, उतनी ही चिंताजनक भी। दुखद इसलिए कि आमतौर पर तीर्थयात्रियों को निशाना नहीं बनाया जाता है और चिंता इसलिए कि जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग को भी अगर निशाना बनाया जा रहा है, तो यह एक बड़ी चुनौती है। दुर्घटना बहुत भयानक थी। एक बच्चे सहित कम से कम नौ तीर्थयात्री मौत की नींद सो गए। 30 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं। क्या यह हमला करने का आतंकियों का नया तरीका है? क्या उन्होंने जान-बूझकर बस चालक पर गोलियां बरसाईं, ताकि बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरे? वैसे, सुरक्षा बलों को शक है कि आतंकियों का इरादा बस रोककर गोलियां बरसाने का था? रियासी की यह घटना अनेक सवाल खड़े करती है। इसके पीछे किसी गहरी साजिश का संकेत मिलता है और इस नई आतंकी साजिश के तमाम धागे खोलना सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने मृतकों के परिजन व पीड़ित लोगों के लिए उचित ही मुआवजे की घोषणा की है और राहत के तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। संवेदनाओं का तांता लगा हुआ है और आतंकियों की कायरता की निंदा की जा रही है। यह बात गौर करने की है कि यह हमला उसी दिन हुआ, जिस दिन केंद्रीय मंत्रिमंडल के लिए शपथ ग्रहण था। जाहिर है, यह आतंकी हमला सरकार को सीधी चुनौती है। इसका माकूल जवाब हमारी सुरक्षा एजेंसियों को देना चाहिए। सुरक्षा बलों ने बहुत मेहनत से वैष्णो देवी मार्ग को निष्कंटक बनाए रखा था, अब फिर उग आए कांटे उखाड़ने का वक्त आ गया है। कश्मीर और जम्मू के संवेदनशील रास्तों पर हर जगह पहरे बिठाना व्यावहारिक नहीं, पर ऐसे हमलों की हिमाकत को सड़क पर उतरने से पहले ही ठिकाने लगाना बेहतर है। क्या आतंकी हमले के बारे में कोई पूर्व सूचना थी? अगर पूर्व सूचना नहीं थी, तो यह और भी गंभीर बात है। क्या महत्वपूर्ण रास्तों पर पुलिस गश्त में कमी आई है? इस आतंकी हमले ने सोचने पर मजबूर कर दिया है। क्या कोई नया आतंकी गिरोह सक्रिय हुआ है? वैष्णो देवी के पूरे मार्ग पर यह स्थानीय लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे देवी दर्शन के लिए आने वाले तमाम मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करें। पुलिस ने ग्राम सुरक्षा गार्ड्स को सचेत भी किया है, पर अब पहले की तुलना में ज्यादा मुस्तैदी का वक्त आ गया है। ध्यान देने की बात है कि वैष्णो देवी तीर्थ के दर्शन के लिए एक दिन में औसतन 25 हजार लोग जाते हैं। देश भर से ही नहीं, बल्कि विदेश से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए आते हैं। बेशक, इधर के महीनों में जब जम्मू-कश्मीर में माहौल सुधरा है, तब पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा हुआ है। वैष्णो देवी तीर्थ की वजह से हजारों करोड़ रुपये का व्यवसाय होता है, उसका एक बड़ा हिस्सा स्थानीय लोगों की जेब में जाता है। देशद्रोही आतंकी यह साजिश कर सकते हैं कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को पहले की तरह मजबूर बनाए रखने के लिए अर्थव्यवस्था को कमजोर करें। अब सरकार को युद्ध स्तर पर आश्वस्त करना चाहिए कि सैलानियों, श्रद्धालुओं का आना न कम हो और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती चली जाए।

आज का राशीफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

बाल-श्रम की अंधी गलियों में बेहाल बचपन कब तक?

(लेखक-ललित गर्ग/)

(विश्व बाल श्रम निषेध दिवस- 12 जून, 2024)

पूरी दुनिया में बाल श्रम एक ज्वलंत समस्या है, कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? बचपन इतना डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्या कारण है कि बचपन अपराध एवं बाल श्रम की अंधी गलियों में जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज और सरकार इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? यह प्रश्न विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। पूरी दुनिया में प्रत्येक वर्ष 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की पहल अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने की थी, जिसका मकसद बाल श्रम को रोकना था। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 2024 की आधिकारिक थीम है- 'आइए अपनी प्रतिबद्धताओं पर कार्य करें-बाल श्रम समाप्त करें!' यह दिन जागरूकता बढ़ाने, परिवर्तन की वकालत करने तथा बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

मालूम हो कि इसको मनाने के पीछे एक खास वजह यह थी कि बच्चों को मजदूरी न कराकर उनको स्कूलों की ओर शिक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। मालूम हो कि बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। उनका यह बचपन रूपी भविष्य आज बाल श्रम के कारण नशे, अपराध एवं जटिलताओं की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। जब हम किसी गली, चौराहे, बाजार, सड़क और हाईवे से गुजरते हैं और किसी दुकान, कारखाने, रैस्टोरैंट या ढाबे पर 12-14 साल के बच्चे को टायर में हवा भरते, पंक्चर लगाते, चिमनी में मुंह से या नली में हवा फूंकते, जूठे बर्तन साफ करते, गारा उठाते, या खाना परोसते देखते हैं और जरा-सी भी कमी होने पर उसके मालिक से लेकर ग्राहक द्वारा गाली देने से लेकर, धकियाने, मारने-पीटने और दुर्व्यवहार होते देखते हैं तो अक्सर 'हमें क्या लेना है' या ज्यादा से ज्यादा मालिक से दबे शब्दों में उस मासूम पर थोड़ा रहम करने के लिए कहकर अपने रास्ते हो लेते हैं। लेकिन कब तक हम बचपन को इस तरह प्रताड़ित एवं उपेक्षा का शिकार होने देंगे।

बचपन से जुड़ी इस त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियों पर नियंत्रण के लिये, बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, पिछले दो दशकों से पूरी दुनिया में बाल श्रम को कम करने के लिए लगातार पहल की जा रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान संघर्षों, संकटों और कोरोना महामारी ने विश्व में कई परिवारों को गरीबी में धकेल दिया है, जिसके कारण लाखों बच्चों को बाल श्रम के लिए मजबूर होना पड़ा है। आज का बालक ही कल के समाज का सृजनहार बनेगा। बालक का नैतिक रूझान व अभिरूचि जैसी होगी निश्चित तौर पर भावी समाज भी वैसा ही बनेगा। आज दुनिया में 160 मिलियन बच्चे अभी भी बाल श्रम में लगे हुए हैं। यह दुनिया भर में लगभग दस में से एक बच्चा है। बाल श्रम के मामले में अफ्रीका सभी क्षेत्रों में सबसे ऊपर है। अफ्रीका और एशिया और प्रशांत क्षेत्र में दुनिया भर में बाल श्रम में लगे हर दस बच्चों में से लगभग नौ बच्चे बाल-श्रमिक हैं। शेष बाल श्रमिक आबादी अमेरिका (11 मिलियन), यूरोप और मध्य एशिया (6 मिलियन) और अरब राज्यों (1 मिलियन) में विभाजित है। जबकि बाल श्रम में बच्चों का प्रतिशत निम्न आय वाले देशों में सबसे अधिक है, वास्तव में उनकी संख्या मध्यम आय वाले देशों में अधिक है। निम्न-मध्यम आय वाले देशों में 9 प्रतिशत बच्चे और उच्च-मध्यम आय वाले देशों में 7 प्रतिशत बच्चे बाल श्रम में हैं।

पिछले कुछ वर्षों में बाल श्रम को कम करने में बहुत प्रगति हुई है, हाल के वर्षों में वैश्विक रुझान उलट गए हैं और अब पहले से कहीं अधिक यह महत्वपूर्ण है कि सभी रूपों में बाल श्रम को समाप्त करने की दिशा में कार्रवाई में तेजी लाने के लिए मिलकर काम किया जाए। 2022 में बाल श्रम के उन्मूलन पर 5वें वैश्विक सम्मेलन के बाद प्रतिनिधियों द्वारा अपनाई गई डरबन कॉल टू एक्शन रास्ता दिखाती है। अब बाल श्रम के उन्मूलन को वास्तविकता बनाने का समय आ गया है। मालूम हो कि बाल श्रम का प्रमुख कारण गरीबी है, जिसके कारण बच्चों को पढ़ाई छोड़कर मजबूरी में मजदूरी का रास्ता चुनना पड़ता है। हालांकि, कई बच्चों को अपराध रैकेट द्वारा बाल श्रम के लिए मजबूर किया जाता है। भारत की बात करें तो सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2 करोड़ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार तो लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं। इन बाल श्रमिकों में से 19 प्रतिशत के लगभग घरेलू नौकर हैं, ग्रामीण और असंगठित क्षेत्रों में तथा कृषि क्षेत्र से लगभग 80 प्रतिशत जुड़े हुए हैं। शेष अन्य क्षेत्रों में, बच्चों के अभिभावक ही बहुत थोड़े पैसों में उनको ऐसे ठेकेदारों के हाथ बेच देते हैं जो अपनी व्यवस्था के अनुसार उनको होटलों, कोठियों तथा अन्य कारखानों आदि में काम पर लगा देते हैं। उनके नियोक्ता बच्चों को थोड़ा सा खाना देकर मनमाना काम कराते हैं। 18 घंटे या उससे भी अधिक काम करना, आधे पेट भोजन और मनमाफिक काम न होने पर पिटाई यही उनका जीवन बन जाता है।

केवल घर का काम नहीं इन बालश्रमिकों को पटाखे बनाना, कालीन बुनना, वेल्डिंग करना, ताले बनाना, पीतल

उद्योग में काम करना, कांच उद्योग, हीरा उद्योग, माचिस, बीड़ी बनाना, खेतों में काम करना (बैल की तरह), कोयले की खानों में, पत्थर खदानों में, सीमेंट उद्योग, दवा उद्योग में तथा होटलों व ढाबों में झूठे बर्तन धोना आदि सभी काम मालिक की मर्जी के अनुसार करने होते हैं। इन समस्त कार्यों के अतिरिक्त कूड़ा बीनना, पोलीथिन की गंदी थैलियाँ चुनना, आदि अनेक कार्य हैं जहाँ ये बच्चे अपने बचपन को नहीं जीते, नरक भुगतते हैं परिवार का पेट पालते हैं। इनके बचपन के लिए न माँ की लोरियां हैं न पिता का दुलार, न खिलौने हैं, न स्कूल न बालदिवस। इनकी दुनिया सीमित है तो बस काम काम और काम, धीरे धीरे बीड़ी के अधजले टुकड़े उठाकर धुआं उडाना, यौन शोषण को खेल मानना इनकी नियति बन जाती है। इन कमजोर नींवों पर हम कैसे एक सशक्त राष्ट्र की कल्पना कर सकते हैं? बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं। बचपन बचाओ आंदोलन, चाइल्ड फंड, केयर इंडिया, तलाश एसोसिएशन, चाइल्ड राइट्स और ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर आदि संस्थाओं ने बाल श्रम खत्म करने की दिशा में सार्थक पहल की है।

बाल मजदूरी से बच्चों का भविष्य अंधकार में जाता ही है, देश भी इससे अछूता नहीं रहता क्योंकि जो बच्चे काम करते हैं वे पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर हो जाते हैं और जब ये बच्चे शिक्षा ही नहीं लेंगे तो देश की बागडोर क्या खाक संभालेंगे? इस तरह एक स्वस्थ बाल मस्तिष्क विकृति की अंधेरी और संकरी गली में पहुँच जाता है और बाल-श्रमिक एवं अपराधी की श्रेणी में उसकी गिनती शुरू हो जाती हैं। ऐसा न हो इसके लिए आवश्यक है कि अभिभावकों और बच्चों के बीच बर्फ-सी जमी संवादहीनता एवं संवेदनशीलता को फिर से पिघलाया जाये। फिर से उनके बीच स्नेह, आत्मीयता और विश्वास का भरा-पूरा वातावरण पैदा किया जाए। सरकार को बच्चों से जुड़े कानूनों पर पुनर्विचार करना चाहिए एवं बच्चों के समुचित विकास के लिये योजनाएं बनानी चाहिए। ताकि इस बिगड़ते बचपन और भटकते राष्ट्र के नव पीढ़ी के कर्णधारों का भाग्य और भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

अब भी बरकरार है हर पुराना खतरा

लेखक - राकेश अचल

7 देश में आम चुनाव हो गए । गठबंधन की नयी सरकार बन गयी । विभागों का वितरण भी हो गया। छत्तीसगढ़ में हिंसा भी हो गयी ,और सबसे बड़ी बात की जिस मणिपुर की हिंसा पर प्रधानमंत्री आजतक नहीं बोले उसके बारे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अधिनायक डॉ मोहन भागवत भी बोल गए। इस सबके बावजूद असली बात ये है कि चुनाव से पूर्व देश जिन खतरों का समान कर रहा था ,वे सब आज भी बरकरार हैं।

आप गौर से देखें तो ये नई सरकार अल्पमत की और गठबंधन की सरकार जरूर हैं लेकिन इसका केवल नाम बदला हैं,काम नही। नई सरकार के हाथों में आज भी वे सब हथियार और सिपाहसालार हैं जो चुनाव से पहले आपके मंगलसूत्र के लिए खतरा बता रहे थे । आपकी भैंस खोले जाने का हौवा खड़ा कर रहे थे । हिन्दू-मुसलमान और धर्म के आधार पर आरक्षण को रोकने की बात कर रहे थे। यानि हौवा भी मौजूद हैं और हौवा खड़े करने वाले भी। गठबंधन कि सरकार में ईडी और सीबीआई जैसे हिंसक चौपाये अभी भी गठबंधन कि अगुवाई कर रही भाजपा के पास हैं। यानि विपक्ष को कुचलने और परेशान करने के सारे औजार भाजपा ने अपने हाथों में रखे है। सहयोगी दलों को उन्हें छूने भी नहीं दिया,क्योंकि मुमकिन हैं कि आने वाले कल में इन हथियारों का इस्तेमाल भाजपा को अपने गठबंधन के साथियों के खिलाफ ही करना पड़े ! अतीत में भाजपा ने ऐसा किया भी हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने जिस हिकमत अमली से नए मंत्रियों को विभागों का वितरण किया हैं उससे साफ़ जाहिर हैं कि उनकी निगाहें कहीं और निशाना कहीं और हैं। माननीय का देश को कांग्रेस विहीन करने का सपना अभी मरा नहीं हैं बल्कि शीतनिद्रा में चला गया हैं। जैसे ही आने वाले दिनों में महाराष्ट्र,जम्मू-कश्मीर और हरियाणा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों कि घोषणा होगी इस सरकार के छिपे हुए नाखून फिर से बाहर निकल आएंगे । आपको पता हैं न कि नाखून छिपाने की कला केवल हिंसक प्रवृत्ति के जानवरों में होती हैं,भले ही वे जंगली जानवर हों या पालतू।

आपको भूलना नहीं चाहिए कि भाजपा 365 दिन, 24 घंटे चुनावी मोड में रहने वाली पार्टी हैं। इसलिए ये पार्टी अपना 2029 और 2047 तक का सपना पूरा करने के लिए आने वाले दिनों में क्या कुछ करेगी,कहना कठिन हैं। मै तो मश्विरा दूंगा कि नयी सरकार में इतने सारे विभागों के साथ एक पृथक विभाग चुनावों का होना चाहिये । इसका प्रभार माननीय प्रधानमंत्री खुद अपने पास रखें। इस विभाग के लिए बजट के साथ ही चुनाव केयर फंड भी बनाया जाना चाहिए प्रधानमंत्री केयर फंड की तरह। इस तरह के फंड का कोई हिसाब-किताब न रखना पड़ता हैं और न देना पड़ता हैं। और यदि गिरीश मुर्मू जैसा सीएजी हो तो इसकी जांच भी कोई नहीं कर सकता।

बहरहाल बात चल रही थी उन खतरों की जो बरकरार है। पहला खतरा संविधान पर ही हैं। माननीय ने भले ही संसदीय दल ,गठबंधन और सदन का नेता चुने जाने से पहले संविधान की प्रति को माथे से लगाया था लेकिन देश में शायद ही किसी को इस बात पर यकीन हो कि नयी सरकार संविधान की कसम खाकर सबके साथ सबका विकास करेगी। नई सरकार में देश कि 20 करोड़ की मुस्लिम आबादी का कोई प्रतिनिधि नहीं है। माननीय राष्ट्रपति चाहें भी तो इस समाज के किसी प्रतिनिधि को सदन में नामजद कर उसे मंत्री बनाने के लिए भी नहीं कह सकतीं। उनके हाथ बंधे हैं। यानी भाजपा हिन्दू राष्ट्र तो नहीं बना सकी लेकिन उसने देश को एक हिन्दू सरकार जरूर दे दी ,जिसमें भाजपा की दुश्मन नंबर दो मुसलमान बिरादरी नहीं है। भाजपा की दुश्मन नंबर एक तो कांग्रेस हैं ,जो बीते दस साल में मर कर भी नहीं मर रही । हर चुनाव के बाद दोगुने उत्साह से खड़ी हो जाती है। भले ही सत्ता उसके लिए अभी भी कोसों दूर हैं

सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत का बयान हैं जो उन्होंने नई सरकार को समझाइश बतौर दिया हैं। डॉ मोहन भागवत की भागवत को भाजपा पहले ही सुनने से इंकार कर चुकी है। चुनावों के बीच में ही भाजपा अध्यक्ष माननीय जेपी नड्डा जी ने अपने श्रीमुख से कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं हैं। उन्होंने एकदम सही कहा था । भाजपा को भले संघ की जरूरत न हो किन्तु संघ को तो भाजपा कि जरूरत है। संघ ने तो आजतक नहीं कहा कि उसे भाजपा की जरूरत नहीं हैं ? संघ प्रमुख शंकराचार्य की मुद्रा में नयी सरकार को सीख दे रहे हैं कि नई सरकार जलते मणिपुर को देखे । विपक्ष को प्रतिपक्ष समझे। डॉ भागवत ने भाजपा को बेनकाब करते हुए मुजाहिरा किया हैं कि इस बार भी हमने अपने लोकमत जागरण का काम किया है. वास्तविक सेवक मर्यादा का पालन करते हुए चलता है. अपने कर्तव्य को कुशलता पूर्वक करना आवश्यक है.लेकिन क्या राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के असली शांकराचार्यों की बात न मानने वाले लोग संघ के शंकरचार्य की बात मानेंगे ?

चूंकि मै अविनाशी नहीं हूँ इसलिए मेरे पास कोई तीसरा नेत्र नहीं हैं ,किन्तु मेरे पास एक अंतर्चेतना हैं जो मुझे आगाह करती है। मुझे लगता हैं कि जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी ,उनकी भाजपा ने अपना एजेंडा नहीं बदला हैं उसी तरह संघ ने भी अपना एजेंडा नहीं बदला हैं। डॉ भागवत ने कहा, हजारों वर्षों से जो पाप हमने किया, उसका प्रायश्चित करना होगा। भारतोद्भव जो लोग हैं, उनसे मिलना आसान है क्योंकि इसकी एक ही बुनियाद है। वही यम नियमात्मक आचरण का पुरस्कार सर्वत्र है। पैगंबर साहब का इस्लाम क्या है, सोचना पड़ेगा ? ईसा मसीह की ईसाइयत क्या है सोचना पड़ेगा ? भगवान ने सबको बनाया है। भगवान की बनाई जो कायनात है, उसके प्रति अपनी भावना क्या होनी चाहिए सोचना पड़ेगा ? जाहिर हैं कि ये एक छिपी हुई धमकी हैं उन लोगों के लिए जिन्हें भाजपा और संघ भारतीय नहीं मानता। इन लोगों में 20 करोड़ मुस्लिम ही नहीं बल्कि वे लोग भी हैं जो प्रश्न करते हैं,जो अंधविश्वास के खिलाफ खड़े होते हैं। जो संविधान की बात करते हैं। जिनकी भाषा माननीयों को अर्बन नक्सलियों की भाषा लगती हैं। जिसे बोलने वाले शाहजादे नजर आते हैं।

बहरहाल गठबंधन कि नई सरकार को लख-लख बधाइयां ,नए मंत्रियों को उनके नए विभाग मुबारक। खासतौर पर मध्यप्रदेश के कोटे से मंत्री बनाये गए मामा शिवराज सिंह को बधाई ,क्योंकि उन्हें वो जिम्मेदारी दी गयी हैं जो उनके मित्र नरेंद्र सिंह तोमर नहीं निभा पाए थे । तोमर के हिस्से में एक नाकाम कृषि मंत्री होना ही आया था। तोमर के दामन पर 700 किसानों की शहादत के चिन्ह हैं

विचार मंथन

अहंकार और मर्यादा पर संघ प्रमुख के विचार, चर्चाओं में

(लेखक- सनत जैन)

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित कार्यकर्ता विकासवर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर आम सहमति के महत्व को प्रतिपादित किया। उन्होंने मणिपुर में पिछले 1 वर्ष से जो हिंसा हो रही है। उस पर चिंता जाहिर की। निश्चित रूप से उन्होंने सरकार से पूछा है, कि वहां की जमीनी हकीकत पर कौन ध्यान देगा। मणिपुर के मामले को प्राथमिकता से निपटने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, जो बड़ा सेवक होता है। वह मर्यादा के साथ चलता है। मर्यादा में रहते हुए कर्म का पालन करता है। वह कर्मों से लिपटा नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि कर्म करने के बाद जिसे अहंकार नहीं आता है, वही सेवक बनने का अधिकारी होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने यह बयान तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने के बाद दिया है। जब तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता की बागडोर संभाल रहे है। उनकी नसीहत शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए थी। चुनाव को युद्ध की नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा के रूप में देखा जाना चाहिए। चुनाव के दौरान जिस तरह से मर्यादाओं का उल्लंघन किया गया है। उस पर उन्होंने दोनों पक्षों को सबक देते हुए कहा, जो वर्तमान में हो रहा है। वह सामाजिक विभाजन पैदा कर रहा है। इसमें संघ को अकारण घसीटा जा रहा है। मोहन भागवत ने कहा वह प्रतिपक्ष को विरोधी नहीं मानते हैं। प्रतिपक्ष भी एक पक्ष को उजागर करता है। सभी विचारों पर विचार विमर्श होना ही चाहिए। चुनाव के लिए आवश्यक शिष्टाचार का होना जरूरी है। इस लोकसभा के चुनाव में किसी भी पक्ष द्वारा मर्यादा का पालन नहीं किया गया। मोहन भागवत ने यह भी कहा, सरकार और प्रतिपक्ष के बीच प्रति स्पर्धा होती है, दुश्मनी नहीं। दोनों का उद्देश्य आम सहमति बनाते हुए समाज कल्याण का काम करना होता है। मतभेदों के बावजूद भी हम सभी को एक साथ चलना होता है। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। सभी को भविष्य के बारे में सोचना होगा। मणिपुर में जैसी हिंसा हो रही है, उसे रोकना होगा। मणिपुर की बंदूक संस्कृति जो पिछले कई माहों में पनपी है। इससे निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हमेशा से हिंदू महासभा, जनसंघ, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के ऊपर वैचारिक और अप्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण रहा है। आज भारत में संघ के 90 से ज्यादा अनुवांशिक संगठन काम कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में संघ की, सत्ता पर पकड़ बहुत कमजोर हुई है। संघ और उनके अनुवांशिक संगठन सत्ता में आने के पहले जिन बातों की आलोचना करते थे। वर्तमान में हुए विपरीत काम कर रहे हैं। किसानों, मजदूरों, स्वदेशी जागरण मंच इत्यादि के माध्यम से जब भाजपा सत्ता में नहीं थी, तब क्या कहते थे। आज क्या कर रहे हैं। यह जनता भी देख और समझ रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो कहा है। निश्चित रूप से उसका पालन करने की जिम्मेदारी सबसे पहले सत्ता पक्ष की होती है। केंद्र में 2014 से भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला हुआ है। पिछले 10 सालों के कार्यकाल में जिस तरह से कांग्रेस मुक्त भारत विपक्ष मुक्त भारत, एक राष्ट्र एक चुनाव, 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश, रिटेल सेक्टर में विदेशी निवेश का प्रवेश पिछले 10 सालों में जिस तरह से हुआ है। धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर सामाजिक वेमनष्यता, संवैधानिक संस्थानों पर सत्ता का दबाव बना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने समय रहते अपने प्रभाव का इस्तेमाल ना तो मर्यादा के लिए किया। नाही नैतिकता के लिए किया है। उल्टा आंख बंद करके सरकार की मदद करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। ऐसी स्थिति में यह भी माना जा सकता है, पर उपदेश कुशल बहुतेरे। आज केंद्र में गठबंधन की सरकार है। भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, ऐसी स्थिति में सहयोगी दलों को सत्ता पक्ष से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख ने विश्वास दिलाने की यह बात की है। संघ लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका, सरकार की जिम्मेदारी तथा सभी पक्षों को नैतिकता और मर्यादा का पाठ पढ़ाते हुए, मोदी सरकार को सशक्त बनाने के लिए उनका यह एक प्रयास माना जा रहा है। आम लोगों के बीच में यह धारणा बनने लगी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा के लोग समय-समय पर जो कहते हैं। वह करते नहीं है, जो करते हैं, वह कहते नहीं हैं। सामने से कुछ और पर्दे के पीछे से कुछ और कहा जाता है। जिसके कारण संघ की प्रमाणिकता में संदेह होने लगा है। संघ के प्रचारक और स्वयंसेवक जिस तरह से सत्ता द्वारा, संगठन में लाये जा रहे हैं। भाजपा संगठन में अन्य विचारधाराओं के लोग बड़ी तेजी के साथ प्रमुख पदों में बैठाये जा रहे हैं। उसमें सबसे ज्यादा नुकसान संघ को ही हो रहा है। संघ के पास अब वैसे स्वयंसेवक और प्रचारक नहीं बचे हैं। जो एक विचारधारा को लेकर जन समुदाय के बीच लगातार सक्रिय होते थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में संघ और भाजपा का विशाल संगठन होते हुए, जिस तरह की पराजय का सामना करना पड़ा है। उससे सबक लेने की जरूरत है। मीठी-चुपड़ी बातें और भय का असर ज्यादा देर तक नहीं रहता हैं। यह डिजिटल मीडिया का जमाना है। पहले क्या कहा था, आप क्या कह रहे हैं, बीच में क्या किया है, अब यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। ऐसी स्थिति में संघ प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान को सत्ता पक्ष और विपक्ष किस तरह से लेगा, कहना मुश्किल है। इतना जरूर है, संघ प्रमुख ने जो कहा है, वह 100 फ़ीसदी सही है। कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। संघ का भाजपा में प्रभाव है।

सुजलॉन को एएमपीआईएन एनर्जी से मिला ठेका

नई दिल्ली । अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन समूह को एएमपीआईएन एनर्जी ट्रांजिशन से 103.95 मेगावाट की पवन परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी बयान के अनुसार समझौते के तहत सुजलॉन पवन टर्बाइन की आपूर्ति करेगी तथा राजस्थान के फतेहगढ़ जिले में स्थापना तथा उसे शुरू करने सहित परियोजना का क्रियान्वयन करेगी। सुजलॉन समूह के भारतीय कारोबार के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि सुजलॉन और एएमपीआईएन एनर्जी ट्रांजिशन भारत में अक्षय ऊर्जा के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध हैं। भविष्य में हम उद्योग को हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की मात्रा में वृद्धि करते देखेंगे, जो प्रभावी ऊर्जा बदलाव की आधारशिला होगी।

एलन मस्क के शेयर गिरावट पर बंद

मुंबई । आईफोन और आईपैड बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल के शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए। दरअसल ऐपल ने ओपनएआई के साथ हिस्सेदारी की घोषणा की है लेकिन यह बात टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क को चुभ गई है। मस्क ने चेतावनी दी है कि अगर ऐपल ने ओपनएआई के चैटजीपीटी को अपने ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ इंटिग्रेट किया तो उसके डेवाइसेज को उनकी कंपनियों में बैन कर दिया जाएगा। उन्होंने यहां तक कह दिया कि उनकी कंपनियों में आने-जाने वाले विजिटर्स को दरवाजे पर अपने ऐपल डेवाइस चेक कराने होंगे और उन्हें अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। उनका कहना है कि यह सिक्योरिटी का घोर उल्लंघन है जिसे कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है। दुनिया के तीसरे बड़े रईस मस्क के इस बयान से ऐपल के शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट आई। कंपनी का शेयर 1.91 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी मार्केट कैप के मामले में एक बार फिर एनवीडिया से पिछड़ गई है। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया का मार्केट कैप 2.995 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जबकि ऐपल 2.961 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गई है। माइक्रोसॉफ्ट 3.180 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया का सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। ओपनएआई में माइक्रोसॉफ्ट का निवेश है। मस्क खुद एक एआई कंपनी एक्स एआई चला रहे हैं। लेकिन उन्हें ऐपल और ओपनएआई की हिस्सेदारी रास नहीं आ रही है।

पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति में सुधार के नीतिगत ब्याज दर में 1.5 प्रतिशत की कटौती कर इसे 20.5 प्रतिशत कर दिया। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने एक बयान में कहा कि उसकी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में मौजूदा आर्थिक वृद्धि की समीक्षा की गई। इस दौरान यह बात सामने आई कि मई में मुद्रास्फीति में उम्मीद से अधिक गिरावट आई है। एमपीसी ने आगामी बजटीय उपायों और भविष्य के ऊर्जा मूल्य समायोजन के संबंध में अनिश्चितता से जुड़े निकट अवधि के मुद्रास्फीति दृष्टिकोण के लिए कुछ जोखिमों का भी संज्ञान लिया। बयान के मुताबिक इन जोखिमों और दर कटौती के फैसले के बावजूद पूर्व में उठाए गए कदमों से मुद्रास्फीतिक दबाव पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

रियलमी जीटी नियो 5 फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ लॉन्च

-10 मिनट से भी कम समय में बैटरी हो जाती है फुल

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी रियलमी जीटी नियो 5 को पिछले साल फरवरी में 240वॉट तक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ लॉन्च किया गया था। फोन को लेकर दावा किया जाता है कि ये फास्ट-चार्जिंग 10 मिनट से भी कम समय में बैटरी को 0 से 100प्रतिशत तक फुल कर देती है। अब रियलमी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि वह आने वाले फोन मॉडलों के लिए 300वॉट चार्जिंग पर काम कर रहा है। दूसरी तरफ बता दें कि शाओमी ने पिछले साल ही अपनी 300वॉट फास्ट चार्जिंग टेक्नोलॉजी की पेशकश की थी। एक इंटरव्यू में रियलमी यूरोप के सीईओ और ग्लोबल मार्केटिंग डायरेक्टर फ्रांसिस वोंग ने कंफर्म किया है कि रियलमी 300वॉट चार्जिंग की टेस्टिंग कर कर रहा है।रेडमी ने पिछले साल फरवरी में 4,100 एमएएच बैटरी के साथ मॉडिफाइड रेडमी नोट 12 डिस्कवरी एडिशन स्मार्टफोन का इस्तेमाल करके 300 वॉट चार्जिंग का प्रदर्शन किया था। ये चार्जिंग टेक्नोलॉजी पांच मिनट से भी कम समय में बैटरी फुल करने में कामयाब रही। बता दें कि कंपनी ने अभी तक 300वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट वाला हैंडसेट लॉन्च नहीं किया है। रियलमी पहले से ही रियलमी जीटी नियो 5 में 240वॉट चार्जिंग देता है, जिसके बारे में दावा किया गया है कि 4,600 एमएएच की बैटरी 80 सेकेंड में 0 से 20प्रतिशत, चार मिनट में 0 से 50प्रतिशत और 10 मिनट से कम समय में 0 से 100प्रतिशत चार्ज हो जाती है। 30 सेकेंड का चार्जिंग समय दो घंटे तक का टॉक टाइम देने का दावा किया गया है। अब देखना ये है कि कंपनी कौन सा नया फोन लॉन्च करती है, जिसमें 300वॉट की चार्जिंग दी जाएगी। मालूम हो कि फोन बनाने वाली कंपनियां बैटरी और कैमरे में तेजी से डेवलपमेंट ला रही हैं। अब रियलमी ब्रांड भी इसी रेस में आगे आते हुए चार्जिंग से जुड़ी बड़ी तकनीक लाने के लिए तैयार है।

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री मई में बढ़कर 3,47,492 इकाई हुई

नई दिल्ली । देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई हो गई। उद्योग संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मई 2023 में थोक बिक्री कुल 3,34,537 इकाई रही थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यात्री वाहनों में केवल मध्यम वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण पिछले वर्ष का उच्च आधार प्रभाव है। मई में दोपहिया वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 16,20,084 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 14,71,550 इकाई थी। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 55,763 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 48,610 इकाई थी।

पेटीएम छंटनी में प्रभावित कर्मचारियों को देगी बोनस

नई दिल्ली । पेटीएम के स्वामित्व वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) ने जिन कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, कंपनी उन्हें दूसरी जॉब खोजने में मदद कर रही है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों के बकाया बोनस का भी भुगतान किया जा रहा है, जिससे इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। कंपनी ने बयान में कहा, वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) उन कर्मचारियों को आउटप्लेसमेंट सपोर्ट प्रदान कर रहा है, जिन्होंने कंपनी के पुनर्गठन प्रयासों के तहत इस्तीफा दे दिया है। आउटप्लेसमेंट सपोर्ट उस स्थिति को कहा जाता है, जब कोई कंपनी छंटनी में निकाले गए कर्मचारियों की दूसरी नौकरी खोजने में मदद करती है। पेटीएम ने कहा` कि हमारी एचआर टीम 30 से ज्यादा ऐसी कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है, जो भर्तियां कर रहे हैं और कर्मचारियों के साथ इन भर्तियों की जानकारी शेयर की जा रही है, जिससे कर्मचारियों को तुरंत आउटप्लेसमेंट में मदद मिले।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिश्रित संकेतों के बीच ही घरेलू बाजार भी उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ 76,680.90 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 76,860.53 के उच्च और 76,296.44 अंक के निचले स्तर पर रहा और अंत में 0.04 फीसदी करीब 33.49 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 76,456.59 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी 0.02 फीसदी तकरीबन 5.65 अंक की हल्की तेजी के साथ ही 23,264.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी का शेयर सबसे ज्यादा 1.64 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही टाटा मोटर्स, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, एचडीएफ़सी बैंक के शेयर भी बढ़कर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर कोटक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 1.44 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस, सन फार्मा, एक्सिस बैंक के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। आज कारोबार के दौरान 13 प्रमुख क्षेत्रों में से सात में बढ़त रही। तेल और गैस के शेयरों में 1.33 फीसदी की तेजी आई। वहीं गत सप्ताह लगभग 3.4 फीसदी बढ़ने के बाद निफ्टी इस सप्ताह अब तक लगभग 0.1 फीसदी गिरा है। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से बाजार लाल निशान में खुले। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी अपने पिछले बंद से मामूली गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 25 अंक गिरकर 76,464 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 0.06 फीसदी नीचे आकर 23,244 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स पर एनटीपीसी, टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन टुब्रो, एचसीएल टेक एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावरग्रिड टॉप गेनर्स की लिस्ट में रहे, जबकि एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक टॉप लूजर्स में रहे।

टाटा स्टील 16 हजार करोड़ से अपने सभी प्लांट का करेगी विस्तार

- कंपनी 75 फीसदी राशि भारत में खर्च करेगी, बाकि यूनाइटेड किंगडम में

जमशेदपुर ।

टाटा स्टील अपनी क्षमता दोगुना करने पर विचार कर रही है। कंपनी के सभी प्लांटों का विस्तार किया जायेगा। इसके लिए कंपनी 16 हजार करोड़ रुपये निवेश करेगी। इस राशि में से 75 फीसदी कंपनी भारत में खर्च करेगी। बाकी राशि का इस्तेमाल यूनाइटेड किंगडम में चल रहे डिकार्बोनाइजेशन प्रोजेक्ट पर खर्च होगी। टाटा स्टील का मानना है कि स्टील की मांग में करीब 8 से 10 फीसदी का विकास होने जा रहा है। इसे लेकर टाटा स्टील अपनी क्षमता दोगुना करने जा रही है। कलिंगानगर प्लांट की क्षमता 3 मिलियन टन से 8 मिलियन टन तक की जा रही है। इसका विस्तार 16 मिलियन टन किया जाना है। जमशेदपुर प्लांट में सीधे तौर पर निवेश नहीं होगा, लेकिन डाउनस्ट्रीम कंपनियों में कंपनी निवेश कर रही है। इसके अलावा ओडिशा के नीलाचल इस्पात की क्षमता को 4.5 मिलियन टन से 5 मिलियन टन किया जा रहा है। इसे बढ़ाकर 10 मिलियन टन किया जाना है। न्यू इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस की स्थापना चंडीगढ़ में हो रही है, जबकि ओडिशा के मेरामंडली प्लांट की क्षमता 5 से बढ़ाकर 7 मिलियन टन की जायेगी। बाद में इसे बढ़ाकर 10 मिलियन टन किया जाना है। टाटा स्टील की ओर से विस्तारीकरण के लिए जमीन उपलब्ध करा दी गई है। टाटा स्टील अपने यूके प्लांट में एक ब्लास्ट फर्नेस को बंद कर रही है। इसी तरह यहां के कोक प्लांट में भी शटडाउन लिया गया है। वहां भी डिकार्बोनाइजेशन की दिशा में निवेश हो रहा है। टाटा स्टील द्वारा निवेशकों के लिए तैयार किये गये प्रेजेंटेशन में इसकी जानकारी दी गई है।

इंटरग्लोब एविएशन के शेयर में 4 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

एंटिटी इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में मंगलवार को बाजार खुलने के बाद गिरावट देखने को मिली। इंट्रा ड्रे ट्रेड के दौरान बीएसई पर कंपनी के शेयर 4 फीसदी तक गिर गए और 4361 रुपये पर आ गए। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट 3,689 करोड़ रुपये की ब्लॉक डील के बाद देखने को मिली है। यह ब्लॉक डील 4,406 रुपये प्रति शेयर के एवरेज प्राइस पर हुई। इंटरग्लोब एविएशन यानी इं डिगो ने ब्लॉक डील के जरिये कंपनी के 83.7 लाख शेयरों की बिकवाली की। दरसअल, पहले माना जा रहा था कि कंपनी ब्लॉक डील के जरिये 77 लाख शेयरों की बिकवाली 4,266 प्रति शेयर पर कर सकती है। हालांकि, अभी तक इस बात का पता नहीं चल सका है कि किसने कितने शेयरों की खरीदारी की है। सुबह शुरुआत में इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में 3.69 फीसदी की गिरावट देखने को मिली और ये 4,398.10 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। कंपनी के शेयर 4,400 रुपये पर खुले थे, जबकि इंट्रा डे के दौरान अभी तक 4,474.30 के हाई और 4,372.55 के लो लेवल तक पहुंचे। इसके शेयर कल 10 जून को 4,566.60 पर बंद हुए थे। इं डिगो के शेयरों में 1 साल में 75 फीसदी के करीब उछाल देखने को मिला है, जबकि 6 महीने में इसके शेयरों में 50 फीसदी से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली।

सेबी बिना नॉमिनी वाले म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट नहीं करेगी फ्रीज

नई दिल्ली ।

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने कहा कि वह उन निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो या डीमैट अकाउंट्स को फ्रीज नहीं करेगी, जिन्होंने अपने नॉमिनी से जुड़ी जानकारियां नहीं दी हैं। इसके अलावा फिजिकल रूप में सिक्योरिटीज रखने वाले निवेशक अब डिविडेंड, ब्याज या सिक्योरिटीज को भुनाने जैसे किसी भी भुगतान को पाने के लिए पात्र होंगे। इसके साथ ही निवेशक नॉमिनेशन का विकल्प न चुनने पर भी शिकायत दर्ज करने या रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट से किसी भी सेवा का अनुरोध पाने के हकदार होंगे। इससे पहले सेबी ने सभी मौजूदा व्यक्तिगत म्यूचुअल फंड धारकों के लिए नॉमिनी का विवरण देने या नॉमिनेशन से बाहर निकलने के लिए 30 जून की समयसीमा तय की थी। नियम का पालन न करने पर उनके खातों से निकासी पर रोक लगाई जा सकती थी। हालांकि, सेबी ने हाल ही में जारी किए गए सर्कुलर में कहा कि कंप्लायंस में सुगमता और निवेशकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मौजूदा निवेशकों या यूनिटधारकों के लिए नॉमिनेशन का विकल्प न देने पर डीमैट अकाउंट्स के साथ म्यूचुअल फंड अकाउंट्स पर रोक नहीं लगाने का फैसला किया गया है।मार्केट रेगुलेटर ने कहा कि लिस्टेड कंपनियों या आरटीए द्वारा नॉमिनेशन का विकल्प न देने की वजह से फिलहाल रोके जा चुके भुगतान को भी अब निपटाया जा सकेगा। इसके साथ ही सेबी ने यह साफ किया कि सभी नए निवेशकों और म्यूचुअल फंड यूनिटधारकों को डीमैट अकाउंट, म्यूचुअल फंड फोलियो के लिए अनिवार्य रूप से नॉमिनेशन का विकल्प देने की व्यवस्था जारी रहेगी।

डीपफेक वीडियो पर एनएसई ने निवेशकों को आगाह किया

एनएसई ने फर्जी वीडियो से आने वाले किसी भी निवेश या सलाह का पालन न करने को कहा

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में हाल ही में एक वरिष्ठ अधिकारी का निवेश सलाह देने वाले डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद एनएसई ने निवेशकों को डीपफेक वीडियो के प्रति अलर्ट किया है। एक बयान में एक्सचेंज ने कहा कि उसने डीपफेक तकनीक का उपयोग करके गलत तरीके से बनाए गए कुछ निवेश और सलाहकार ऑडियो और वीडियो क्लिप में एनएसई लोगो के चेहरे और आवाज का इस्तेमाल देखा है। एनएसई ने कहा कि ऐसे वीडियो चौहान की आवाज और चेहरे के भावों की नकल करने के लिए डीपफेक तकनीक का उपयोग करके बनाए गए हैं। एक्सचेंज ने निवेशकों से ऐसे ऑडियो और वीडियो पर विश्वास न करने और ऐसे फर्जी वीडियो या अन्य माध्यमों से आने वाले किसी भी निवेश या अन्य सलाह का पालन न करने को कहा है। बता दें कि एनएसई के कर्मचारी किसी भी स्टॉक की सिफारिश करने या उन शेयरों में कारोबार करने की सलाह देने के लिए ऑथराइज्ड नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, एक्सचेंज इन प्लेटफार्मों से जहां भी संभव हो, इन आपत्तिजनक वीडियो को हटाने का अनुरोध करने का प्रयास कर रहा है। एक्सचेंज ने सभी से एनएसई की ओर से भेजे गए

संचार और सामग्री के स्रोत को वेरीफाई करने और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जांच करने का अनुरोध किया है। साथ ही सभी निवेशकों से इसे ध्यान में रखने और एनएसई या इसके अधिकारियों से इसकी वेबसाइट पर आने वाली जानकारी को सत्यापित करने के लिए कहा गया है।

ह्युंदै मोटर की आईपीओ के जरिए 30 हजार करोड़ जुटाने की योजना

- डीआरएचपी फाइल करने जा रही कंपनी

नई दिल्ली ।

ह्युंदै मोटर इंडिया पहली बार भारतीय शेयर बाजार में फिर से धमाल मचाने वाली है। दो दशक से भी ज्यादा समय के बाद साउथ कोरिया की कंपनी ह्युंडै मोटर की भारतीय कंपनी ह्युंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आईपीओ लाने की तैयारी कर रह है। माना जा रहा है कि अगर ह्युंदै भारत में आईपीओ लाती है तो यह अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा क्योंकि ऑटो कंपनी की योजना आईपीओ के जरिये 25,000 करोड़ से 30,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। इससे पहले सिर्फ पीएसयू कंपनी एलआईसी ने 21,000 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटाए थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी ह्युंदै मोटर इंडिया अगले दो सप्ताह के भीतर ही मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास डायरेक्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्ट्स (डीआरएचपी) फाइल कर सकती है और इसी के साथ अब तक के सबसे बड़े आईपीओ आने की प्रक्रिया की भी शुरुआत हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डीआरएचपी फाइल करने के बाद अगले महीने ऑटो कंपनी भारत और विदेशों में इन्वेस्टर रोड शो भी आयोजित कर सकती है। ह्युंदै मोटर इंडिया ने आईपीओ के लिए एडवाइजर के तौर पर सिटीबैंक कोटक महिंद्रा कैपिटल और मॉर्गन स्टैनली, एचएसबीसी और जेपी मॉर्गन को चुना है। ये इन्वेस्टमेंट बैंक ह्युंदै मोटर इंडिया को आईपीओ लाने में मदद करेंगे। अगर कंपनी डीआरएचपी फाइल करती है तो अगले 60 से 90 दिनों में सेबी की तरफ से अप्रूवल मिल सकता है। यानी अधिकतम सितंबर तक मार्केट रेगुलेटर की तरफ से आईपीओ लाने के लिए मंजूरी मिलने की संभावना है। इसके बाद ह्युंदै मोटर इंडिया सितंबर या अक्टूबर 2024 में आईपीओ ला सकती है और शेयर मार्केट में लिस्ट हो सकती है। अगर सेबी की तरफ से मंजूरी मिल गई को 2003 के बाद किसी भी ऑटो कंपनी की शेयर बाजार में एंट्री हो जाएगी। बता दें कि 12 जून 2003 को भारत की सबसे बड़ी कारमेकर कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया 993.35 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आई थी।

सोना 71,200, चांदी लगभग 88,800 हजार

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में मंगलवार को सुस्ती देखने को मिल रही है। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। शुरुआत में सोने के वायदा भाव 71,200 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,800 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में दोनों के वायदा भाव में नरमी देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 187 रुपये की गिरावट के साथ 71,251 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 922 रुपये की गिरावट के साथ 89,100 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,248 रुपये की गिरावट के साथ 88,774 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस वैश्विक में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। लेकिन बाद में इनके भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,329.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,327 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 6.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,320.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.95 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.87 डॉलर था। इस समय यह 0.52 डॉलर की गिरावट के साथ 29.35 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

टी20 विश्वकप: अमेरिका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

न्यूयार्क (एजेंसी)। भारतीय टीम बुधवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट में होने वाले अपने तीसरे मुकाबले में मेजबान अमेरिकी टीम के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने दोनो ही मैचों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम ने अपने दूसरे मैच में जिस प्रकार पाकिस्तान को हराया उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। अब भारतीय टीम का लक्ष्य जीत की इस लय को बनाये रखना होगा। भारतीय टीम के गेंदबाजों ने पाक के खिलाफ 119 रनों के लक्ष्य का बचाव कर दिखाया है कि वह किसी भी प्रकार के बल्लेबाजी क्रम को ढ़हा सकते हैं। बल्लेबाजों का हालांकि इस मैच में देखकर खेलना होगा। पिछले मैच में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे। भारतीय टीम अब इस मैच में अमेरिकी टीम पर जीत दर्ज कर सुपर आठ में पहुंचना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान अमेरिकी टीम टीम भले ही अनुभवहीन है पर उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है। उसने पाक को आसनी से हराया था।

नासाउ काउंटी मैदान की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल नहीं रही है पर भारतीय बल्लेबाज पाक के खिलाफी की गलतियों से सबक लेना चाहेंगे। उस मैच में भारतीय टीम ने 30 रन के अंदर अपने अंतिम सात विकेट गंवा दिए थे। अमेरिका के खिलाफ कमजोर रवैया भारत को भारी पड़ सकता है क्योंकि यह टीम पहले पाकिस्तान को भी हरा चुकी है। अमेरिका की टीम में कप्तान मोनंक पटेल सहित भारतीय मूल के कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका भारत की तरफ से खेलने का सपना पूरा नहीं हो पाया था। इनमें सौरभ नेत्रवलकर और हरमीत सिंह भी शामिल हैं जिन्होंने अपनी टीम की तरफ से अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और ये इस मैच में अपने को साबित करना चाहेंगे।

पिच के व्यवहार ने भले ही टीमों के बीच अंतर को कम कर दिया है पर अमेरिका के लिए भारतीय टीम को हराना संभव नहीं होगा। अमेरिका की टीम दूसरी भारतीय टीम की तरह नजर आती है क्योंकि उसमें भारतीय मूल के आठ खिलाड़ी हैं। इसके अलावा पाकिस्तानी मूल के दो तथा वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड का एक खिलाड़ी उसकी टीम का हिस्सा है।

पाकिस्तान पर सुपर ओवर में जीत दर्ज करने के बावजूद अमेरिका के खिलाड़ियों की खास चर्चा नहीं है पर भारत के खिलाफ अच्छा

प्रदर्शन उन्हें क्रिकेट जगत में पहचान दिला सकता है। ऐसे में मोनंक पटेल, हरमीत, नेत्रवलकर, जेसी सिंह और नोशतुश केंजीगे बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। इनके सामने रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी हों तो मुकाबला आकर्षक होना तय है। कोहली और रोहित जैसे बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना या बुमराह जैसे गेंदबाज का सामना करने का मौका हमेशा नहीं मिलता है और ऐसे में अमेरिकी खिलाड़ियों के लिए यह अपनी क्षमताओं को आंकने का अच्छा अवसर होगा।

भारतीय टीम टॉस जीतने पर निश्चित तौर पर पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी। अगर भारत पहले गेंदबाजी करती है तो फिर बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों के सामने अमेरिका के लिए 100 रन बनाना भी कठिन रहेगा। पिछले मैच में शिवम दुबे असफल रहे थे। ऐसे में उनकी जगह यशस्वी जायसवाल को अवसर मिल सकता है।

टीम

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद. सिराज

अमेरिका =मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नीतीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रवलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग : सात्विक-चिराग ने नंबर एक रैंकिंग गंवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले हफ्ते इंडोनेशिया ओपन में खिताब की रक्षा के अपने अभियान से हटने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार को जारी बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई।

चीन के लियांग वेई केंग और वैंग चैंग नई पुरुष युगल नंबर एक जोड़ी है। उनके बाद डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप राससुसेन का नंबर आता है जिन्होंने दो स्थान की छलांग लगाई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मई में थाईलैंड ओपन जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की लेकिन पिछले महीने सिंगापुर ओपन में पहले दौर से बाहर हो गई।

भारतीय जोड़ी ने मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन से भी नाम वापस ले लिया है। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन क्रमशः 10वें और 14वें स्थान पर बने हुए हैं। किदांबी श्रीकांत चार स्थान गिरकर 32वें स्थान पर खिसक गए हैं जबकि प्रियांशु राजावत (34वें स्थान पर) और किरण जॉर्ज (एक स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल रैंकिंग में 10वें स्थान पर बनी हुई हैं। महिला युगल में पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाली जोड़ी तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा एक पायदान ऊपर 19वें स्थान पर पहुंच गई। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भी एक पायदान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता यह जोड़ी इंडोनेशिया ओपन से अंतिम-16 में बाहर हो गई थी।

अब मार्च में आमने-सामने होंगी भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप क्रिकेट में न्यूयार्क में हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ छह रनों से रोमांचक जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाये रखा है। दोनो ही टीमों के बीच अब तक हुए आठ में से सात मुकाबले भारतीय टीम ने जीते हैं और केवल एक मैच में पाक को जीत मिली है। प्रशंसकों को दोनो ही टीमों के बीच अब अगला मुकाबला आठ महीने बाद मार्च 2025 में देखने को मिलेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट शेड्यूल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सौंप दिया गया है और भारत-पाक का मैच आठ टीमों की 15 मैचों की प्रतियोगिता में लीग मैचों में से अंत में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच खेला जाएगा। मैचों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। यह मैच लाहौर में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम को खेलना सरकार की मंजूरी पर निर्भर रहेगा। अगर ऐसा नहीं होतो ये मैच किसी अन्य वैकल्पिक स्थल पर हो सकता है।

वहीं कहा जा रहा है कि पीसीबी को अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाने के लिए कहा गया है। पीसीबी ने 20 दिवसीय प्रतियोगिता के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी को मैच स्थल के रूप में चुना है, जिसमें लाहौर भारत के लिए मैच स्थल रखा गया है। कार्यक्रम के अनुसार, लाहौर में सात मैच, रावलपिंडी में पांच और कराची के बंदरगाह शहर में तीन मैच होंगे। कराची में 19 फरवरी उद्घाटन मैच खेला जाएगा, जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में होंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 9 मार्च को फाइनल लाहौर में होगा, जिसे सभी भारतीय खेलों के साथ-साथ सेमीफाइनल भी आवंटित किया गया है। पीसीबी ने अभी तक किसी अन्य स्थल पर भारतीय टीम के मैच को रखे जाने का विकल्प नहीं रखा है।

नामीबिया को हराकर सुपर आठ में जगह पक्की करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार को यहां कम नामीबिया के खिलाफ ग्रुप बी मुकाबले में बढ़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ में जगह तय करने उतरतेगी। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक अपने दोनो ही मुकाबले जीते हैं और अब उसका लक्ष्य नामीबिया जेसी कमजोर टीम को बड़े अंतर से हराना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक इस इस टूर्नामेंट में 200 रन से अधिक बनाने वाली अकेली टीम है। इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट पर 201 रन बनाकर मुकाबले में 36 रनों से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में ओमान को 39 रन से हराया था। इस प्रकार उसके दो मैच में दो जीत से चार अंक हैं। वहीं स्कॉटलैंड की टीम तीन मैच में पांच अंक के साथ शीर्ष पर है। नामीबिया को हराकर ऑस्ट्रेलिया का सुपर आठ में पहुंचना पक्का हो जाएगा। इसके बाद टीम स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप बी का अपना अंतिम मैच खेलेगी। वहीं स्कॉटलैंड के पास गत चैंपियन इंग्लैंड को हराकर सुपर आठ में पहुंचने का अवसर है।

इंग्लैंड के दो मैच में एक अंक हैं। स्कॉटलैंड के खिलाफ उसका पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले अभ्यास मैच में नामीबिया को सात विकेट से हराया था जिससे विरोधी टीम इस बार भी उसके खिलाफ दबाव में रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर शानदार फार्म में चल रहे हैं। वार्नर ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक लगाया जबकि इंग्लैंड के खिलाफ 16 गेंद में 39 रन बनाये थे। अब वह एक बार फिर इसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। वार्नर के सलामी जोड़ीदार ट्रेविस हेड भी अच्छी फॉर्म में हैं और दोनों ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर तेज शुरुआत देना चाहेंगे।

वहीं दूसरी ओर नामीबिया को ओमान के खिलाफ सुपर ओवर में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अपने ऑलराउंडर डेविड वाइसे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इसके अलावा उसके स्पिनर बर्नार्ड श्कोल्ट्ज से भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके बाद भी ये मैच एकतरफा होना तय है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने नामीबिया कहीं नहीं टिकती।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया = मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर और एडम जंपा।

नामीबिया = गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक, जेपी कोट्जे, डेविड वाइसे, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज, मालन क्रूगर और पीडी ब्लिगनॉट।

एमएमए से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनेंगे संग्राम सिंह

मुंबई। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन संग्राम सिंह मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनने के लिए तैयार हैं। संग्राम महिला पहलवान पूजा तोमर के बाद एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय पहलवान बनेंगे। मंगलवार को यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार संग्राम ने कहा, 'कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी मुझे उनका समर्थन मिलता रहेगा।' उन्होंने कहा, 'एमएमए खेल का भविष्य है और पिछले कुछ वर्षों में इसकी बढ़ती लोकप्रियता पूरी कहानी बयां करती है। भारत में इसको देखने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है और मुझे उम्मीद है कि इस खेल के प्रशंसक मेरा समर्थन करेंगे।'

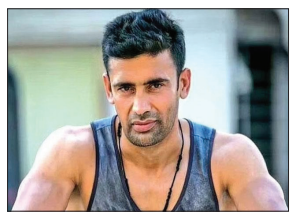

अनुभवी खिलाड़ियों से भरी है भारतीय टीम : हरभजन

न्यूयॉर्क। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ जिस प्रकार से कठिन हालातों में जीत दर्ज की उससे साफ हो गया है कि भारतीय टीम अनुभवी खिलाड़ियों से भरी हुई है। हरभजन के अनुसार इस जीत से प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हमारा बल्लेबाजी क्रम ऐसे खिलाड़ियों से भरा हुआ है जो दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। साथ ही कहा कि टी20 प्रारूप में भारतीय टीम, सबसे अनुभवी और मजबूत टीमों में से एक है। उसके पास जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे अच्छे गेंदबाज हैं। हरभजन ने एक शो के दौरान एस. श्रीसंत, पीयूष चावला, अंबाती रायुडू, संजय मांजरेकर के साथ कहा कि यह अहम जीत थी। मैं उत्सुकता से और भी रोमांचक मैचों का इंतजार कर रहा हूं, भले ही हम इस चुनौतीपूर्ण पिच और मौसम की स्थिति का सामना कर रहे हैं पर हमें यहां अविस्मरणीय क्रिकेट देखने को मिलेगा।

टी20 विश्व कप में गेंदबाज कर रहे मैचों का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हो रहे टी-20 विश्वकप में पिचों के मिजाज को देखते हुए इस बार अभी तक खेले गये लीग मैचों में बल्ले की जगह गेंद का जलवा दिख रहा है और गेंदबाज कर रहे मैचों का फैसला। अभी तक खेले गये 21 लीग मुकाबलों में गेंदबाज इस तरह हावी रहे कि कोई भी बल्लेबाज सैकड़े तक नहीं पहुंच सका है। फिर चाहे कमजोर टीम के साथ मुकाबला रहा हो या धुरंधर के साथ।

सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारुकी दो मैचों में नौ विकेट लेकर सबसे आगे चल रहे है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्खिया तीन मैचों में नौ रन प्रति ओवर की औसत के साथ आठ विकेट लेकर दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दो मैचों में सात की औसत से छह विकेट के साथ तीसरे, चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान दो मैचों में आठ रन की औसत के साथ छह विकेट लिये है। ओमान के मेहरान खान तीन मैच आठ रन प्रति ओवर की औसत से छह विकेट पांचवें स्थान पर है।

भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दो मैच में 8.40 की औसत से छह विकेट चटका कर छठें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका के ओट्नील बाटमैन तीन मैच 14.40 के साथ पांच विकेट के साथ सातवें स्थान पर है। श्रीलंका के नुवान तुषारा और नीदरलैंड के लोगन वैन वीक दो मैच में 8.40 की औसत से पांच-पांच विकेट के साथ संयुक्त रुप से आठवें और नौवें स्थान पर है। युगांडा के ब्रायन मसाबा तीन मैच 14.40 की औसत के साथ पांच विकेट लेकर दसवें स्थान पर है।

टी-20 विश्वकप में कुल सात गेंदबाज को सबसे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि हासिल है, जिसमें चार गेंदबाज एशिया से हैं। वर्ष 2007 और 2009 में पाकिस्तान के उमर गुल, साल 2021 और 2022 में श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा दो

ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने इस प्रतियोगिता में दो बार सबसे अधिक विकेट हासिल करने की उपब्लब्धि हासिल थी। टी-20 विश्वकप 2024 की शुरुआत और जून से हुई है और इसका फाइनल 29 जून को केनसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा।

गुरप्रीत बने भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान

नई दिल्ली। स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री के संन्यास के बाद अब गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू भारतीय फुटबॉल टीम की कप्तानी करेंगे। गुरप्रीत कतर के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप क्वॉलिफाइंग मैच के साथ ही कप्तानी शुरु करेंगे। अब टीम की कमान गुरप्रीत सिंह संधू को सौंपी गई है जो भारतीय टीम के गोलकीपर भी हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य इस क्वालीफाइंग मैच में जीत दर्ज कर विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे चरण में जगह बनाना रहेगा। सुनील छेत्री के संन्यास के बाद ये गुरप्रीत का पहला मुकाबला होगा और इसमें उनके पास गोलकीपिंग के साथ ही टीम की कमान संभालने की जिम्मेदारी रहेगी। गुरप्रीत के कप्तान बनाए जाने के बाद टीम के कोच स्टिमक ने कहा कि उन्हें कप्तानी सौंपना कोई कठिन काम नहीं था। 32 साल के गुरप्रीत ने अब तक 71 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। स्टिमक ने कहा कि गुरप्रीत ने पिछले 5 साल में सुनील और संदेश के साथ कुछ मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी निभाई है और वो स्वाभाविक रूप से इसके अधिकारी थे। कतर के खिलाफ अगर भारत हारती है तो वह विश्व कप के तीसरे चरण के क्वालीफायर से बाहर हो जाएगी।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज क्लासेन ने न्यूयॉर्क पिच पर सवाल उठाये

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ मिली जीत के बाद दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर हेनरिक क्लासेन ने यहां के नासाउ काउंटी क्रिकेट मैदान की पिच पर सवाल उठाये हैं। क्लासेन ने यहां तक कहा कि अगर ऐसे मैदानों पर मैचों के आयोजन से आईसीसी अमेरिका में क्रिकेट को आगे बढ़ाना चाहता है तो ये आसान नहीं होगा। इस बल्लेबाज ने कहा कि इस मैदान की ड्रॉप इन पिचों पर बल्लेबाजी करना बेहद मुश्किल है। अब तक हुए मैचों में यहां कोई भी टीम 200 रन भी नहीं बना पायी है। भारतीय टीम ने यहां 119 रन बनाकर जीत हासिल की थी। वहीं अब दक्षिण अफ्रीका ने113 रन बनाकर मुकाबला जीता है। क्लासेन ने बांग्लादेश के खिलाफ 44 गेंद पर 46 रन बनाए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। क्लासेन ने अपनी टीम की जीत के बाद कहा, 'निश्चित तौर पर अगर आप विश्वक को दिखाना चाहते हैं और यहां बाजार तलाश रहे हैं तो मुझे नहीं लगता कि इस तरह के हालातों में ऐसा करना संभव होगा। क्रिकेट के लिहाज से यह कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इससे शीर्ष टीमों और अन्य टीमों के बीच अंतर कम हो गया है। इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा कि बल्लेबाज इस तरह की पिच पर खेलना पसंद नहीं करेंगे जबकि गेंदबाज ऐसी पिचों पर खेलना चाहेंगे। आईसीसी ने भी माना है कि उसने जिस तरह की पिचों की उम्मीद की थी यह वैसी नहीं हैं। क्लासेन ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो 'मुझे लगता है कि सभी बल्लेबाज इस स्थान से बाहर निकलना चाहेंगे लेकिन गेंदबाज यही बने रहना चाहेंगे। हमने अपनी भूमिका निभाई और हमारा लक्ष्य यहां तीनों मैच में जीत दर्ज करना था।

ओलंपिक के लिए सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को मिला प्रवेश

नई दिल्ली। आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए तक सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को क्वालीफाइंग टिकट मिला है। इसमें पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल हैं। सिंधु, प्रणय और लक्ष्य ने पहले ही ओलंपिक में जगह पक्की कर ली थी पर अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन महासंघ ने तय कट ऑफ तारीख के बाद आधिकारिक तौर पर अब इनके क्वालीफाई करने की पुष्टि की है। ओलंपिक खेल के नियमों के अनुसार कट ऑफ तारीख पर ही क्वालिफिकेशन रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल से शीर्ष 16 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करते हैं। इसमें सिंधु 12वें स्थान पर रहीं जबकि पुरुष एकल में प्रणय और लक्ष्य क्रमशः नौवें और 13वें स्थान पर रहे। वहीं पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ओलंपिक क्वालीफिकेशन चक्र के अंत में तीसरे स्थान पर रही और इस प्रकार उसे भी ओलंपिक टिकट मिला है जबकि महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन चक्र के अंत में 13वें स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया है।

'खो खो' गुमनामी से अंतर्राष्ट्रीय शिखर तक : सुधांशु मित्तल

स्पोर्ट्स डेस्क। : पीछा करने के सदियों पुराने रोमांचक खेल 'खो खो' की जड़ें भारतीय पौराणिक कथाओं में हैं और यह खेल प्राचीन काल से प्राकृतिक घास या मैदान में नियमित रूप से पूरे भारत में खेला जाता है। 'खो' मराठी शब्द है जिसका अर्थ है जाओ और पीछा करो। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों द्वारा खेले जाने वाला 'खो खो' प्राचीन भारत का पारंपरिक खेल माना जाता है और यह ग्रामीण क्षेत्रों में कबड्डी के बाद दूसरा रोमांचक टैग गेम है। 'खो खो' की उत्पत्ति भारत में मानी जाती है। इतिहास में इसका वर्णन मौर्य शासनकाल (चौथी ईसा पूर्व) में मिलता है। 'खो खो' खेल का वर्णन महाभारत काल में भी किया गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि महाभारत काल में ÷खो खो÷ रथ पर खेला जाता था जहां प्रतिद्वंद्वी रथ पर सवार होकर एक-दूसरे का पीछा करते थे, जिसे ÷रथेरा÷ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि महाभारत युद्ध के 13वें दिन गुरु द्रोणाचार्य द्वारा बनाए गए चक्रव्यूह में प्रवेश करने के लिए अभिमन्यु ने 'खो खो' में इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति का उपयोग किया था और 'खो खो' के कौशल का उपयोग करके कौरव वंश को भारी नुकसान पहुँचाया था।

लोकमान्य तिलक द्वारा गठित डेक्कन जिमखाना पुणे ने पहली बार इस खेल के विधिवत नियम तय किए। वर्ष 1923-24 में इंटर स्कूल स्पोर्ट्स कम्पटीशन की स्थापना की गई जिसके माध्यम से ग्रामीण स्तर पर 'खो खो' को लोकप्रिय करने के लिए कदम उठाए गए। वर्ष 1928 में भारत की पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए गठित 'अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षण मंडल' द्वारा वर्ष 1935 में इस खेल के नियमों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया।

आधुनिक काल में 'खो खो' खेल को महाराष्ट्र के अमरावती के हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के तत्वाधान में सबसे पहले 1936 के बर्लिन ओलंपिक्स में प्रदर्शित किया गया था तथा इस खेल को अडोल्फहिटलर ने जमकर सराहा। वर्ष 1938 में अखिल महाराष्ट्र शारीरिक शिक्षण मंडल ने 'खो खो' खेल की दूसरी नियम पुस्तिका प्रकाशित की। इसी वर्ष अकोला में इंटर जोनल स्पोर्ट्स का आयोजन किया गया।

आज 'खो खो' भारत के सभी राज्यों में खेली जाती है तथा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 'खो खो' की अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। आजादी के बाद भारतीय खेलों को प्रोत्साहन देने के अंतर्गत 1955-56 में 'अखिल भारतीय खो-खो मंडल' की स्थापना की गई। पुरुषों की पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन 25 दिसंबर 1959 से 01 जनवरी 1960 को आयोजित किया गया जबकि महिलाओं की पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 13 से 16 अप्रैल 1961 को आयोजित की गई। वर्ष 1964 में इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित 5वीं नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में व्यक्तिगत पुरस्कार शुरू किए गए।

वर्ष 1966 में 'खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया' की स्थापना की गई तथा वर्ष 1970 में किशोर लड़कों की पहली नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जबकि वर्ष 1974 में किशोर लड़कियों की पहली नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। 1982 में दिल्ली में आयोजित 9वीं एशियाई खेलों में खो-खो का डेमोंस्ट्रेशन मैच आयोजित किया गया। वर्ष 1987 में कोलकाता में आयोजित तीसरी साउथ एशियाई खेलों में खो-खो खेल को प्रदर्शित किया गया।

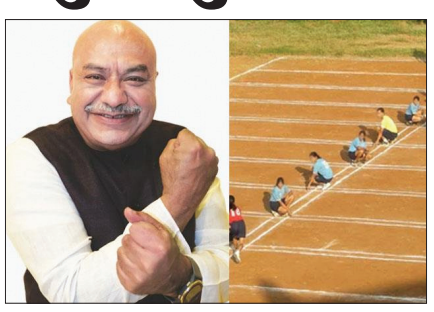

अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पहली बार वर्ष 1996 में 'खो खो' की पहली एशियाई खो-खो चैंपियनशिप आयोजित की गई, जिससे 'खो खो' को अंतर्राष्ट्रीय खेल के रूप में लोकप्रियता मिली, जिससे आज यह खेल 36 से अधिक देशों में खेला जाता है। वर्ष 1998 में पहला नेता जी सुभाष गोल्ड कप इंटरनेशनल खो-खो टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। 'खो-खो÷ को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए जुलाई 2018 में 'इंटरनेशनल खो-खो फेडरेशन' का गठन किया गया जिसका हेडक्वार्टर लंदन में है। लंदन में पहली इंटरनेशनल खो-खो चैंपियनशिप वर्ष 2018 में आयोजित की गई। आज 'खो खो' भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से खेला जाने वाला खेल है। यह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का हिस्सा है जिसमें लगभग 20 देशों की राष्ट्रीय खो-खो टीमें हैं। ऐसे गौरवशाली इतिहास के साथ खो-खो की लोकप्रियता आने वाले वर्षों में भी बढ़ती रहेगी।

अब गोवा एफसी से खेलते नजर आयेंगे डिफेंडर आकाश

नई दिल्ली। डिफेंडर आकाश सांगवान अब एफसी गोवा क्लब की ओर से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल सत्र में खेलते नजर आयेंगे। इससे पहले एफसी गोवा क्लब ने आकाश से करार किया। क्लब ने हालांकि ये नहीं बताया है कि ये करार कितने समय के लिए किया गया है पर कहा जा रहा है कि ये लंबे समय के लिए होगा। आकाश ने साल 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में सहायता की थी। सांगवान ने 2017 में क्लब के साथ अपने सीनियर पेशेवर पदार्पण से पहले मिनर्वा पंजाब के साथ अपना फुटबॉल करियर शुरू किया था। उन्होंने 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में भी सहायता की। इस खिलाड़ी ने साल 2022 में दो बार के पूर्व आईएसएल चैंपियन चेन्नईयिन एफसी में शामिल होने से पहले चर्चिल ब्रदर्स और राउंडग्लास पंजाब के लिए खेला है। सांगवान ने अब तक 114 पेशेवर मुकाबले खेले हैं और उनके नाम तीन गोल हैं जिनमें से दो पिछले सत्र में सीएफसी के लिए खेलते हुए किए। क्लब से अनुबंध को लेकर उन्होंने कहा, ''मैं एफसी गोवा के साथ इस नए सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। साथ ही कहा कि इस क्लब की महत्वाकांक्षाएं मेरे अनुरुप हैं और मैं उसकी ओर से बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लिक्विड इंजीनियरिंग में बढ़ गए कैरियर के मौके

निजी कंपनियों के भारतीय पेट्रोलियम कारोबार में प्रवेश करने से लिक्विड इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए कॅरियर के और अधिक अवसर उत्पन्न होने लगे हैं...

लिक्विड इंजीनियरिंग का संबंध मुख्य रूप से पेट्रोलियम पदार्थों से है। इन दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की आवश्यकता जीवन में काफी बढ़ गई है। इसके बिना कई दैनिक कार्य संभव नहीं हैं। इस क्षेत्र में भारत एशिया के तेल और प्राकृतिक गैस बाजार में बड़ा खिलाड़ी बनकर उभर रहा है। इस समय भारत में इस क्षेत्र से लाखों लोग प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जुड़े हैं।

बढ़ती जरूरत

हमारे देश में जिन क्षेत्रों का बहुत तेजी से विकास हो रहा है, पेट्रोलियम और ऊर्जा उनमें से एक है। भारत की बड़ी इंडस्ट्रीज में पेट्रोलियम इंडस्ट्री का क्रम सबसे ऊपर आता है। तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग तथा अन्य तेल कंपनियां इस क्षेत्र में भारी लाभ अर्जित रही हैं। पेट्रोलियम और विभिन्न पेट्रो प्रोडक्ट्स के बढ़ते इस्तेमाल के कारण इस फील्ड में कुशल पेशेवरों की काफी मांग रही है।

कार्य प्रकृति

तेल उद्योग को अपस्ट्रीम (अन्वेषण और उत्पादन) तथा डाउनस्ट्रीम (रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण) क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें सभी स्तरों पर कॅरियर निर्माण के शानदार अवसर उपलब्ध हैं। लिक्विड (पेट्रोलियम) उद्योग के तहत भूगर्भशास्त्रियों, जियो फिजिस्ट और पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए अपस्ट्रीम गतिविधियों एवं केमिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन और प्रोडक्शन इंजीनियरों के लिए डाउनस्ट्रीम गतिविधियों में कॅरियर के विकल्प उपलब्ध हैं। पेट्रोलियम इंजीनियर विभिन्न क्षेत्रों में इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, ठेकेदारों और ड्रिलिंग स्टाफ के साथ मिलकर काम करते हैं।

कोर्स कैसे-कैसे

लिक्विड (पेट्रोलियम) इंजीनियरिंग के कोर्स अंडरग्रेजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट दोनों स्तरों पर संचालित किए जाते हैं। बीटेक के 4 वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र तथा गणित विषयों में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। एमटेक पाठ्यक्रम पेट्रोलियम, पेट्रोकेमिकल, केमिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए खुला है। यह जरूरी नहीं कि इस सेक्टर का द्वार केवल पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए ही खुला है। मार्केटिंग और प्रबंधन क्षेत्र के युवाओं के लिए भी इसमें

काफी अवसर हैं।

मौके कहां-कहां

पेट्रोलियम से संबंधित स्नातकों के लिए कॅरियर निर्माण के तमाम उजले अवसर उपलब्ध हैं। पेट्रोलियम इंजीनियरों की बढ़ती मांग का ही परिणाम है कि इन्हें अच्छे वेतन पर आकर्षक रोजगार देने के लिए पेट्रोलियम कंपनियां हमेशा तैयार रहती हैं।

चूंकि सारी दुनिया में सुरक्षित तथा किफायती ऊर्जा संसाधनों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है, इसलिए इन प्रोफेशनल की मांग का सिलसिला आगामी दशकों में भी जारी रहेगा। पेट्रोलियम उत्पादन कंपनियों, कंसल्टिंग इंजीनियरिंग कंपनियों, कुओं की खुदाई करने वाली कंपनियों के साथ-साथ ओएनजीसी, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम तथा रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स के अलावा रिसर्च और शैक्षणिक संस्थानों में आकर्षक वेतनमान पर रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

इस क्षेत्र में पैसों की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए प्रोफेशनल कॅरियर के अलावा रिसर्च के क्षेत्र में भी अच्छे अवसर? हैं। वह रिसर्च लैब में बतौर साइंटिस्ट या रिसर्च फेलो के रूप में अनुसंधान तथा विकास कार्य कर सकते हैं। विदेशों, खास तौर पर खाड़ी देशों में भी पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए कॅरियर निर्माण के ढेरों अवसर मौजूद हैं।

मुख्य संस्थान

- राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, रायबरेली
- इंडियन ऑयल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, गुड़गांव
- इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, गांधीनगर
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून
- इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, गांधीनगर

सफलता चाहिए तो दूरदर्शी बनें

सफलता उसी को मिलती है जो दूरदर्शी होते हैं लेकिन आज के कई युवाओं में दूरदर्शिता का अभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। दूरदर्शी न होने के कारण वे सभी दृष्टियों से सक्षम होते हुए भी असफलता का सामना कर रहे हैं और अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

यदि आप भी सफलता चाहते हैं तो दूर की सोच रखिए। इसके बिना आपके मार्ग में बाधाएं आती रहेंगी और आपको असफलता का सामना करते रहना पड़ेगा। जब भी आप किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए फॉर्म भरते हैं या किसी नौकरी के लिए आवेदन करते हैं तो आप उसी दिन से अपना लक्ष्य पाने के लिए तैयारी शुरू कर दीजिए। मान लीजिए कि आपने किसी पद के लिए आवेदन पत्र भरा। यदि वह सीधी भर्ती है तो आपको साक्षात्कार में उपस्थित होना पड़ेगा। आप यह निश्चय करके साक्षात्कार की तैयारी शुरू कर दीजिए कि आपको साक्षात्कार में उपस्थित होना ही है। इस बात का इंतजार मत कीजिए कि साक्षात्कार के लिए जब आपको बुलावा पत्र मिल जाएगा, तभी आप तैयारी शुरू करेंगे। यदि आप साक्षात्कार के लिए तैयारी कर लेते हैं और आपको बुलावा पत्र नहीं भी मिलता, तब भी आप घाटे में नहीं रहते। आपकी तैयारी उस नौकरी के लिए काम न आई तो क्या हुआ, आपने सामान्य ज्ञान वगैरह की जो तैयारी की है, वह दूसरी नौकरी के प्रयास में काम आएगी। आपके इस प्रयास में आपका ज्ञानार्जन ही होगा, साक्षात्कार में सफल होने की संभावना बढ़ेगी और आपकी दूरदर्शिता आपकी सफलता का द्वार खोलेगी।

कई ऐसी प्रतियोगी परीक्षाएं हैं, जो प्रायः हर साल आयोजित की जाती हैं। इन प्रतियोगी परीक्षाओं में से किसी एक में आप को बैठना है तो लक्ष्य बनाकर तुरंत उसकी तैयारी शुरू कर दें। ऐसा नहीं कि जब उक्त प्रतियोगी परीक्षा के आयोजन संबंधी विज्ञापन जारी होगा और जब आप परीक्षा में बैठने के लिए फॉर्म भर देंगे, तभी परीक्षा की तैयारी शुरू करेंगे। ऐसा करना अनुचित है। ऐसा करने वाले युवाओं को समयाभाव का सामना करना पड़ता है और उन्हें सफलता नहीं मिलती। स्कूल या महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में वे अच्छे अंकों के साथ सफलता अर्जित करते हैं जो शुरू से ही अर्थात शिक्षा सत्र की शुरूआत से ही पढ़ाई में ध्यान देते हैं। उनका लक्ष्य परीक्षा में श्रेष्ठ अंक लाना होता है। वे अपने लक्ष्य को पाने के लिए शिक्षा सत्र की शुरूआत से ही तैयारी में जुट जाते हैं जबकि जो छात्र परीक्षा के नजदीक आने पर तैयारी शुरू करते हैं, वे या तो असफलता का सामना करते हैं या उन्हें वांछित सफलता नहीं मिलती। जैसे कि पहले तो अनिल ने केवल अपनी स्कूलीय और महाविद्यालयीन पढ़ाई की ओर

ध्यान दिया। इस बीच उसने किसी तरह की प्रतियोगी परीक्षा वगैरह के लिए फार्म नहीं भरा। उसका लक्ष्य स्कूल और कालेज की परीक्षाओं में उच्च श्रेणी हासिल करना था। उसने कड़ी मेहनत की और वह अपने उद्देश्य में सफल भी हुआ। उसने मैरिट में स्नातक किया।

स्नातक होने के बाद उसने प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में सोचा। इसके लिए उसने बैंक के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का निश्चय किया। फिर उसने बैंक की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी। तैयारी के लिए लिए उसने आवेदन भरने तक भी इंतजार नहीं किया क्योंकि उसे मालूम था कि हर साल बैंकों में विभिन्न पद हेतु प्रतियोगी परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी होते हैं।

उसकी मेहनत रंग लाई। वह बैंक अफसर हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही सफल हो गया। वह इसलिए सफल हुआ क्योंकि वह दूरदर्शी था। यदि वह दूर की सोच नहीं रखता तो उसे इतनी आसानी से सफलता नहीं मिलती। वास्तव में जो दूरदर्शी होते हैं, उन्हें सफलता आसानी से मिल जाती है और उनके होने की संभावना का प्रतिशत भी अपेक्षाकृत अधिक होता है। अतः आप भी दूरदर्शी बनिए और श्रेष्ठ सफलता पाइए।

हिंदी में कॅरियर की राह

पाठ्यक्रमों पर नजर- हिंदी से संबंधित कोर्स ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी स्तर के हैं। कुछ संस्थानों में हिंदी से संबंधित पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में भी दाखिला लिया जा सकता है। ऐसे कोर्स हिंदी ट्रांसलेशन, हिंदी जर्नलिज्म, हिंदी स्क्रिप्ट राइटिंग, रेडियो जॉबी आदि से संबंधित होते हैं।

अवसर कैसे-कैसे

हिंदी से संबंधित उचित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त कर लेने के बाद केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में हिंदी ऑफिसर, लिपिक, स्टेनोग्राफर, हिंदी ट्रांसलेटर आदि के रूप में नियुक्ति के मौके मिलते हैं। आम लोगों तक पहुंचने के लिए प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक हिंदी जानने वालों की मांग बनी रहती है। अब तो ऑनलाइन जर्नलिज्म में भी रिक्तियां निकलती रहती हैं। इसके अलावा रेडियो पर भी अवसर मिलते हैं। ट्रांसलेटर और द्विभाषिए की अहमियत भी आज के वैश्विक माहौल में काफी बढ़ गई है। फिल्मों, विज्ञापनों और धारावाहिकों में हिंदी स्क्रिप्ट राइटरों के बगैर तो काम चल ही नहीं सकता। कॉल सेंटर में भी हिंदी के आधार पर मौके मिलते हैं। हिंदी के जानकार आईटी सेक्टर में भी अवसर हैं। सदाबहार टीचिंग तो है ही।

वेतनमान - जॉब की जैसी प्रकृति होती है, उसी के अनुसार वेतन का निर्धारण किया जाता है। कंपनी की रूपरेखा के आधार पर भी आपका वेतन तय होता है।

सीमा सुरक्षा बल का आदर्श वाक्य है - जीवन पर्यन्त कर्तव्य

ओड़ीसा तथा छत्तीसगढ़ राज्यों के क्रमशः कोरापुट, मलकानगिरी तथा कानकेर जिलों में नक्सल विरोधी आपरेशन पर भी सीमा सुरक्षा बल को तैनात किया गया। एक तरफ इस बल ने नक्सलियों के हमलों का बहादुरी से सामना किया तो दूसरी तरफ कानकेर (छत्तीसगढ़) तथा कोरापुट एवं मलकानगिरी (ओडीसा) के दूर-दराज के जिलों के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के गरीब निवासियों से सम्पर्क साधने के लिए सिविक एक्शन कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थानीय निवासियों के लिए चिकित्सा शिविर लगाकर तथा खेलकूद कार्यक्रम आयोजित कर तथा स्कूल के बच्चों को पुस्तक और टीवी, ट्रान्जिस्टर, कपड़े तथा आवश्यक वस्तुएं वितरित कर उनका भरोसा जीता गया।

यही क्या, आपदा के समय भी सीमा सुरक्षा बल ने अहम भूमिका निभाई है। बीते वर्ष उत्तराखण्ड में भारी प्राकृतिक विपदा के बाद वहाँ पर राहत कार्य एवं पुर्नवास कार्य के लिए सीमा सुरक्षा बल को तैनात किया गया था। सीमा सुरक्षा बल ने स्वयं ही कालीमठ घाटी के 12 गाँवों में मूलभूत सुविधाएं पुनः बनाने तथा पुर्नवास का बीड़ा उठाया। इस अभूतपूर्व कार्य के कारण उस राज्य में सीमा सुरक्षा बल को देवदूत के नाम से पुकारा गया। इन लोकहितैषी कार्यक्रमों से न केवल लोगों की विशेषकर अल्पसुविधा प्राप्त लोगों की सहायता की गई बल्कि समाज और सीमा सुरक्षा बल के बीच आपसी समझ में वुद्धि भी हुई। सीमा सुरक्षा बल आज हर तरह की भूमिकाएं निभा पा रहा है तो जाहिर है कि अपने बहादुर जवानों की बदौलत। सीमा सुरक्षा बल का गीत है-भारत के हर प्रांत से बहादुरों का दल। यह है सीमा सुरक्षा बल। सीमा सुरक्षा बल का आदर्श वाक्य है - जीवन पर्यन्त कर्तव्य। इस गीत व आदर्श वाक्य को सीमा सुरक्षा बल के जवान हमेशा चरितार्थ करते आए हैं। सीमा सुरक्षा बल के ये वही बहादुर जवान हैं जो अपार कष्ट सहकर भी देश की सरहद की हिफाजत करते हैं। सरहद की रक्षा के लिए वे 18000 फीट ऊंची वर्फ की जगह पर तैनात रहते हैं फिर अचानक मैदानी इलाके में या जल मार्ग पर उन्हें स्थानांतरित कर दिया जाता है। सुंदरवन में नदी के बीचोंबीच

जहाज पर अभी जो जवान तैनात हैं, वे सीधे कश्मीर से आए हैं। इस जहाज पर सेटलाइट रिसीवर नहीं है इसलिए महीनों से ये जवान अपने परिजनों से भी बात नहीं कर पाते। ट्रांजिस्टर जैसा मनोरंजन का भी कोई साधन वहां नहीं है। फिर भी वे जल मार्ग से सीमा पर मुस्तैद रहते हैं। सीमा पर सिर्फ पुरुष ही नहीं, महिला जवान भी मुस्तैद रहती हैं। उनकी मुस्तैदी देखनी हो तो भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित सीमा चौकी कल्याणी जाइए वहां महिला सीमा प्रहरी प्रतिदिन बारह घंटे तक खड़े रहकर सीमा पर पहरा देती दिख जाएंगी। वे यह कहती नजर आएंगी कि जब पुरुष सीमा प्रहरी बारह घंटे तक सीमा पर पहरा दे सकते हैं तो स्त्री प्रहरी क्यों नहीं दे सकती? सीमा प्रहरियों के लिए शांत पोस्टिंग तथा फील्ड पोस्टिंग में कोई अन्तर नहीं है क्योंकि उनके लिए यह जीवन पर्यन्त कर्तव्य है। सीमा पर जहां ये जवान पहरा देते हैं, वहां न पेयजल का प्रबंध है न चाय आदि का। वे अपनी ड्यूटी में इस कदर व्यस्त रहते हैं कि उन्हें कभी चाय-पानी की कमी महसूस नहीं होती।

सीमा सुरक्षा बल की जिम्मेदारी शांति के समय भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर निरंतर निगरानी रखना, भारत भूमि सीमा की रक्षा करना और सीमा पर होने वाली तस्करी, घुसपैठ और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकना है। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों में सुरक्षा बोध को विकसित करने की जिम्मेदारी भी उसे दी गई है। सीमा सुरक्षा बल के गठन के पहले सीमाओं पर संबंधित राज्यों के सशस्त्र पुलिस बल तैनात थे तथापि 09 अप्रैल 1965 को गुजरात में सरदार पोस्ट, छार बेट तथा बेरिया बैट सीमा चौकियों पर हुए पाकिस्तानी आक्रमण के बाद इन संवेदनशील सीमाओं की एक समान सशस्त्र बल द्वारा निगरानी कर सुरक्षित रखने की आवश्यकता शिद्दत से महसूस की गई। तब समय की मांग एक ऐसे बल की थी जो सीमाओं की सुरक्षा के लिए थल सेना की तरह प्रशिक्षित हो तथा सीमा पार अपराध को रोकने में भी सक्षम हो। यानी उसका दिल सेना का हो और आत्मा पुलिस की। इसी उद्देश्य के लिए गठित सचिवों की एक समिति की सिफारिश के अनुसार 01 दिसम्बर 1965 को के. एफ. रूस्तमजी के नेतृत्व में सीमा सुरक्षा बल का गठन किया गया था। इस बल की कार्यक्षमता में क्रमशः वृद्धि होती गई और आज यह बल देश के उत्तम भरोसेमंद व्यावसायिक बलों में एक है। सीमा सुरक्षा बल को 25 वाहिनियों से प्रारंभ किया गया था, उस बल में आज 175 वाहिनियां हैं जो पवित्र, दुर्गम रेगिस्तानों, नदी-घाटियों और हिमाच्छादित प्रदेशों तक फैली 6,385.36 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन में चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल

बीजिंग । चीन की शिक्षण यात्रा के दौरान अमेरिका के आयोवा कॉलेज के चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल हो गए। उनके स्कूल और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा आयोवा के माउंट वर्नोन में एक निजी उदार कला महाविद्यालय, कॉर्नेल कॉलेज के चार प्रशिक्षक सार्वजनिक पार्क में सैर कर रहे थे तभी उन पर चाकू से हमला कर दिया गया जिसमें वे घायल हो गए। स्कूल के अध्यक्ष जोनाथन ब्रांड ने बयान में हमले की पुष्टि की है। सामूहिक चाकूबाजी का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, कई लोगों को संदेह है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव की वजह से ऐसा हुआ है। कॉर्नेल के अध्यक्ष, ब्रांड ने कहा कि हमें पता चला है कि चीन में एक यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी के तहत पढ़ाने वाले चार कॉर्नेल प्रशिक्षक एक गंभीर घटना में घायल हो गए हैं। हम सभी चार प्रशिक्षकों के संपर्क में हैं और इस दौरान उनकी सहायता कर रहे हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी रिपोर्टों से अवगत हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। चीनी अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई बयान नहीं आया। आयोवा राज्य प्रतिनिधि एडम ज़बनेर ने पुष्टि की कि उनके भाई, डेविड ज़बनेर, पीड़ितों में से एक थे। उन्होंने कहा कि उनके भाई के हाथ में चाकू लगने से टांके लगे हैं और वह अस्पताल में भर्ती है। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने कहा कि वह इस भयानक हमले के जवाब में आयोवा के संघीय प्रतिनिधिमंडल और विदेश विभाग के संपर्क में हैं। यह हमला उस समय हुआ जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, यू.एस. और चीन, समग्र द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयास के तहत लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रही हैं। पिछले नवंबर में अमेरिका की यात्रा के दौरान, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि बीजिंग अगले पांच वर्षों में 50,000 युवा अमेरिकियों को आदान-प्रदान और अध्ययन कार्यक्रमों के लिए चीन आमंत्रित करने के लिए तैयार है। अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका में लगभग 300,000 चीनी छात्र हैं, जबकि चीन में 900 से कम अमेरिकी अध्ययन कर रहे हैं। हालाँकि चीन में दुनिया के कुछ सबसे सख्त बंदूक नियंत्रण कानून हैं, लेकिन चाकू से हमले असामान्य नहीं हैं।

अमेरिकी शख्स 1300 से ज्यादा बार गया सलाखों के पीछे, 6000 दिन बिताए थे जेल में

सैन फ्रांसिस्को । अमेरिका के एक शख्स को शायद जेल जाना अच्छा लगता था। यही वजह है कि वो 1-2 बार नहीं, 1300 से ज्यादा बार सलाखों के पीछे रहा था। उसने 6000 दिन जेल में बिताए थे। हाल ही में उस शख्स की मौत हो गई, जिसके बाद से उसकी चर्चा हो रही है। जानकारी के अनुसार केंटकी में लेग्जिंटन के रहने वाले हेनरी अर्ल को इंटरनेट पर लोग इस वजह से पहचानने लगे थे, क्योंकि वो कई बार जेल जा चुके थे। उन्होंने अपने अधिकतर जुर्म शराब के नशे में किए थे। 74 साल की उम्र में शख्स की इसी साल मई के महीने में मौत हो गई। उसे ओवेंटन कब्रिस्तान में दफनाया गया था। जीवन के अंतिम साल उसने एक हेल्थ केयर सेंटर में बिताए थे। उसका कोई परिवार नहीं था, इस वजह से हेल्थ केयर वर्करों ने ही उसका अंतिम संस्कार किया था ।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हेनरी ने 18 साल की उम्र में तब शराब पीना शुरू किया था, जब उसकी मां की मौत हो गई थी, जिसने उसे गोद लिया था। 1970 के दशक में, जब वो 20 साल के थे, तब उन्होंने छोटे-मोटे जुर्म को अंजाम देना शुरू किया। लोगों का कहना है कि उनका सेंस ऑफ ह्यूमर गजब का था। 1992 से जब डिवीजन ऑफ कम्यूनिटी करेक्शन ऑफ लेविजंग्टन फेट अर्बन काउंटी सरकार ने जब डिजिटल तरीकों से अपराध के लिए लोगों को बुक करना शुरू किया, तब से हेनरी के जुर्म दर्ज होने शुरू हुए। ऐसे में ये भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि शायद वो 1500 से ज्यादा बार गिरफ्तार हुए होंगे ।माना जाता है कि उन्होंने 6000 घंटे जेल में ही बिता दिए। उसे अक्सर शराब के नशे में हंगामा मचाने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता था। जुलाई 1970 में उसे पहली बार तब अरेस्ट किया गया था, जब उसके पास से एक हथियार बरामद हुआ था। उन्हें 2004 में एक अमेरिकी टॉक शो, जिमी किमेल लाइव पर भी आने का मौका मिला था, पर चूंकि वो जेल में थे, वो इसमें शामिल नहीं हो पाए थे। अप्रैल 2017 में उन्हें आखिरी बार शराब पीकर हंगामा करने के अपराध में गिरफ्तार किया गया था, पर उसी साल उन्हें बीमारी की वजह से ओवेनटन हेल्थकेयर और रीहैबिलिटेशन फैसिलिटी में भर्ती करवाया गया था। तब से वो वहीं रह रहे थे। बता दें कि आदमी एक बार जेल की हवा खा ले, तो वो दोबारा ऐसा काम करने से बचता है कि उसे जेल जाना पड़े। कैदी जेल से छूटने के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार होता है।

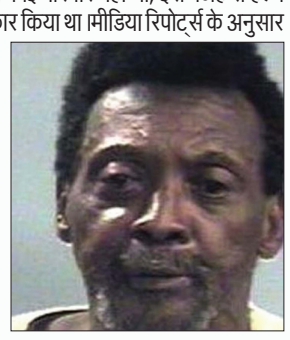

बाल्टीमोर बंदरगाह का मुख्य नौवहन मार्ग फिर खुला

बाल्टीमोर । बाल्टीमोर बंदरगाह का मुख्य नौवहन मार्ग अपनी पूरी क्षमता के साथ फिर खुल गया है। 'फ्रांसिस स्कॉट की' पुल 26 मार्च को क्षतिग्रस्त हो गया था, जिस कारण बंदरगाह पर समुद्री यातायात कई दिन तक अवरुद्ध रहा था। अधिकारियों ने मार्ग को फिर से खोलने की घोषणा की। पटाप्सको नदी से करीब 50 हजार टन स्टील और कांक्रीट निकालने के लिए व्यापक सफाई अभियान चलाया गया था, जिसके बाद कहीं जाकर यह मार्ग फिर से खुला है। एक मालवाहक जहाज के अनियंत्रित होकर पुल के एक खंभे से टकराने के बाद उसका एक हिस्सा ढह गया था, जिसके मलबे के कारण यह मार्ग अवरुद्ध हो गया था। इस हादसे में छह लोगों की मौत हुई थी। सभी मृतक लैटिनो आप्रवासी थे, जो पुल पर गड्ढों को भरने के लिए रातभर काम कर रहे थे। देश के अन्य बंदरगाहों की तुलना में बाल्टीमोर बंदरगाह के जरिये अधिक कारों और कृषि उपकरणों का आवागमन होता है। यह बंदरगाह मलबे को हटाये जाने के दौरान कई सप्ताह तक प्रभावी रूप से बंद रहा। हालांकि चालक दल कई चरणों में मार्ग के कुछ हिस्से को फिर से खोलने में सक्षम रहा, जिससे हाल के हफ्तों में कुछ हद तक वाणिज्यिक यातायात बहाल हो पाया। लगभग दो महीने से मलबे के बीच फंसे मालवाहक जहाज डाली को 20 मई को निकाला गया और वापस बंदरगाह की ओर ले जाया गया।

693 लोगों को 110 लीटर रक्तदान कर चुका शख्स बना धरती का फरिश्ता

न्यूयॉर्क । फरिश्ते अलग से नहीं होते हमारे बीच रहकर मानव सेवा करने वाले भी किसी फरिश्ते से कम नहीं होते। संयुक्त राज्य अमेरिका का एक शख्स 49 साल से ब्लड डोनेट कर रहा है। यह आदमी अब तक 29 गैलन खून (करीब 110 लीटर) दान कर चुका है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इसने रक्त दान से 693 लोगों की मदद की है। वह इस काम को मल्टी टास्किंग कहते हैं। उनका कहना है कि वह हर 56 दिन में ब्लड डोनेट करते हैं। एक बयान में उन्होंने कहा कि जब पहली बार ब्लड डोनेट किया तो बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। चक्कर आ रहे थे। लेकिन, अब उन्हें खून दान करने में बहुत अच्छी फीलिंग आती है। वह इस काम से बहुत खुश हैं।

आई स्पेशलिस्ट हेनरी का कहना है कि उन्होंने पहली बार ब्लड डोनेट किया वो कॉलेज में थे। हालांकि पहली बार का अनुभव बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। मुझे चक्कर आ रहे थे। अस्पताल ने मुझे खाने के लिए कुछ नहीं दिया, न ही आराम मिला। उन्होंने आगे कहा कि मैं इसे मल्टीटास्किंग मानता हूं। मैं हर 56 दिन में रक्त दान करने के लिए समय निकालता हूं। पिछले कई वर्षों से मैं ऐसा रूटीन बना चुका हूं। हेनरी की पत्नी कभी-कभी रक्तदान करती हैं। हालाँकि, उनकी बेटी एक दुर्लभ ब्लड डिसीज के कारण ब्लड डोनेट नहीं कर पाती है। लेकिन, हेनरी के बेटे के ब्लड डोनेट में कोई दिलचस्पी नहीं है। हेनरी की 36 वर्षीय बेटी का कहना है कि उसे इस काम के लिए अपने पिता पर बहुत गर्व है।

अमेरिकी राज्य लॉन्ग आइलैंड के हेनरी बिकॉफ ने ब्लड डोनेट का काम 1975 में शुरू किया था। उनका कहना है कि उस वक्त वह कॉलेज में पढ़ते थे। न्यूयॉर्क ब्लड सेंटर के मुताबिक, 68 साल के हेनरी ने अब तक ब्लड डोनेट से 693 लोगों की मदद की है। वह 49 वर्षों में 29 गैलन (लगभग 110 लीटर) रक्त दान कर चुके हैं। हेनरी अब तक कितना ब्लड डोनेट कर चुके हैं? इसका अंदाजा ऐसे लगा सकते हैं कि यह 870 सिंगल-सर्व आइसक्रीम स्कूप, 310 कोक कैन या लगभग छह गैलन ऑफिस वॉटर कूलर की बोतलों के बराबर है। उन्होंने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया, मैं इसे बहुत समय से कर रहा हूं। यह अब मेरे लिए दैनिक कार्य जैसा है। ऐसा करके मुझे अच्छी पहचान भी मिल रही है। इससे बहुत अच्छा लगता है।

वाशिंगटन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस एक कंसर्ट में डांस करती हुई।

इमरान खान ने खोल दी शहबाज शरीफ की पोल, पाकिस्तान में मीडिया के मुंह पर ताला

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को दावा किया कि मीडिया को राज्य द्वारा चुप रहने के लिए मजबूर किया गया है और देश में पिछले दो वर्षों में असहमति जताने वाले पत्रकारों को दमन का सामना करना पड़ा है। खान को कई मामलों में संलिप्तता के लिए 10 महीने पहले गिरफ्तारी के बाद से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में रखा गया है, जिनमें से कुछ में सजा हुई है। खान ने कहा कि पाकिस्तान में मीडिया हमेशा राज्य के नियंत्रण में असुरक्षित रहा है जबकि पत्रकारों को उनके आलोचनात्मक दृष्टिकोण के लिए निशाना बनाया गया है। पिछले दो वर्षों में पाकिस्तान में मीडिया को चुप रहने के लिए मजबूर किया गया है और असहमति जताने वाले पत्रकारों को दमन का सामना करना पड़ता है। पूर्व प्रधान मंत्री का पद पंजाब सरकार द्वारा - खान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी और पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज के नेतृत्व में हाल ही में 'पंजाब मानहानि अधिनियम 2024' पेश करने के कुछ दिनों बाद आया है, जो मानहानि के बारे में एक विवादास्पद कानून है जो बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लगाता है। स्वतंत्र मीडिया राज्य के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक ने कहा, यह एक निगरानीकर्ता के रूप में कार्य करता है और सरकार को अपना रास्ता सही करने के लिए मजबूर करता है।

अगर इजरायली सेना आगे बढ़े तो बंधकों को मार दो गोली : हमास

-संयुक्त राष्ट्र ने युद्ध विराम के अमेरिका के प्रस्ताव को दी मंजूरी

गाजा (एजेंसी)। गाजा के रफाह में इजराइली हमलों के बीच हमास के नेताओं ने अपने लोगों से कहा है कि अगर उन्हें लगता है कि इजरायली सेना आगे बढ़ रही है, तो वह बंधकों को मार दें। इस आदेश के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

इजरायली अधिकारियों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में बंधकों को रखने वाले हमास ने अपने सैनिकों को आदेश दिया गया है कि अगर उन्हें लगता है कि इजरायली सेना आगे बढ़ रही है, तो वे बंधकों को गोली मार दें। हाल ही में इजरायली रक्षा बलों ने गाजा के नुसेरात से चार बंधकों को बचा लिया था। इजरायली अधिकारियों ने हमास के इस दावे को खारिज कर दिया है कि तीन बंधकों की मौत इजरायली हवाई हमलों में हुई थी। उनका कहना है कि इन मौतों के जिम्मेदार हमास के आतंकी ही हैं।

बता दें कि सात अक्टूबर को जब हमास के आतंकवादियों ने इजरायल पर हमले के बाद 200 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था, तब से इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार इन लोगों का पता लगाने और उन्हें बचाने का प्रयास कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी और इजरायली खुफिया और सैन्य विश्लेषकों का एक सेल बंधकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन और उपग्रहों का इस्तेमाल कर रहा है। इज़राइल अब तक सात बंधकों को बचाने में कामयाब रहा है लेकिन, कई लोग या तो संघर्ष के दौरान या अपहरणकर्ताओं के हाथों मारे गए हैं।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में युद्ध विराम योजना का समर्थन करने वाले अमेरिका के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा यह मसौदा युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के प्रस्ताव की अपील करता है। इसमें शामिल सभी पक्षों से बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के इसे पूरी तरह लागू करने का आग्रह किया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि इज़राइल ने युद्धविराम योजना पर सहमति जताई है और हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया गया है। हमास ने जवाब में कहा कि वह सुरक्षा परिषद के वोट का स्वागत करता है। इसके बावजूद, शांति का मार्ग चुनौतियों से भरा हुआ है। हमास के अधिकारियों ने मांग की है कि किसी भी युद्धविराम समझौते में संघर्ष के स्थायी अंत की गारंटी होनी चाहिए।

युद्धविराम का भविष्य अनिश्चित है। प्रस्तावित योजना में छह सप्ताह का युद्धविराम शामिल है, जिसके दौरान इज़राइल गाजा के आबादी वाले केंद्रों से हट जाएगा, और हमास बंधकों को रिहा कर देगा। बातचीत का उद्देश्य युद्धविराम को आगे बढ़ाना और दुश्मनी का स्थायी समाधान खोजना है। मतदान के बाद, इजरायली राजनयिक रीट शापिर बेन नफ्ताली ने दोहराया कि संघर्ष तभी समाप्त होगा जब इजरायल के लक्ष्य पूरे हो जाएंगे, जिसमें बंधकों की पूरी तरह रिहाई और हमास का खात्मा शामिल है। उन्होंने कहा कि हमास कूटनीति के जरिए बंधकों को रिहा करने से इनकार करने से यह साबित हो गया है कि हमारे बंधकों को वापस लाने के प्रयास में सैन्य साधनों का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने परिषद के फैसले पर आशा व्यक्त की है, जिसमें युद्ध विराम को लागू करने का दायित्व इजरायल पर डाला है। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इस प्रस्ताव को गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार के युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है।

उत्तर कोरिया के तानाशाह की बहन कीम से ज्यादा ताकतवर और सनकी

-किताब में दावा : क्रूरता के साथ ही उसे हत्याओं से भी परहेज़ नहीं

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन आए दिन परमाणु हथियारों का परीक्षण करते रहे हैं और अपने देश की जनता को दुनिया से अलग-थलग रखते हैं। इस समय किम जोंग उन से ज्यादा चर्चा में उनकी बहन किम यो जोंग है, जो कड़े फैसले लेने में काफी सख्त हैं। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया की दुश्मनी एक बार फिर चर्चा में है। हालांकि इसके पीछे जो काम कर रहा है, वह किम जोंग उन नहीं बल्कि उसकी बहन है।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में गंदगी और कचरे से भरे सैकड़ों गुब्बारे छोड़ दिए हैं। कचरे वाले गुब्बारों के बदले में दक्षिण कोरिया ने भी अपनी सीमा पर लाउड स्पीकर लगाकर उत्तर कोरिया विरोधी प्रोपेगेंडा को बजाना शुरू कर दिया, जिससे उत्तर कोरिया भड़क गया है। इसका जवाब किम की बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया को धमकाते हुए दिया है कि ऐसा करने से स्थिति खतरनाक हो सकती है। उत्तर कोरिया यूं तो पुरुषों की सत्ता वाला देश है, लेकिन आजकल महिला यहां राष्ट्रीय फैसले ले रही है, जो सामान्य बात नहीं है। किम यो जोंग न सिर्फ राजनीति में उतरीं बल्कि अपनी छवि तेज़-तर्रार भी बना ली है। किम यो जोंग नाम की किताब में तानाशाह की बहन के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। मामूली कार्यकर्ता की तरह पार्टी में आईं किम यो जोंग ने अपना कद थोड़े से समय में ही इतना बढ़ा लिया कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भाई किम जोंग का उत्तराधिकारी मानने लगा। ये किताब जिस लेखक ने लिखी है, वे उत्तर कोरिया की राजनीति को करीब से देख चुके हैं। उनका दावा है कि मासूम लगने वाली किम यो जोंग अगर सत्ता में आई तो अपने भाई से भी ज्यादा क्रूर साबित होंगी। बड़े और सख्त फैसले वह एक झटके में कर सकती है और हत्याओं से भी उसे कोई परहेज़ नहीं है। किताब में ये भी दावा किया गया है कि दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसियां मानती हैं कि तानाशाह की बहन खुद किम जोंग उन से ज्यादा ताकतवर हो चुकी है। किताब में बताया गया है कि 1987 में जन्मी किम यो जोंग का बचपन बहुत लाड़-प्यार और सुविधाओं में बीता है। वह अपने पिता के बहुत करीब थी क्योंकि वो भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। उसकी पढ़ाई स्विट्ज़रलैंड में हुई, जिसकी जानकारी किसी को नहीं है। उसे बचपन से ही पता था कि वह सभी नियम-कानून से ऊपर हैं। माना जाता है कि वह कम्प्यूटर की अच्छी जानकार है और अंग्रेज़ी-जर्मन भाषाओं में भी परफेक्ट हैं, जबकि उसके भाई को ठीक से अंग्रेज़ी तक नहीं आती है। साल 2014 में जब उसने मीडिया विभाग संभाला, तब से उसका कद तेज़ी से बढ़ा। किम जोंग उन के वेस्टर्न मेकओवर का भी श्रेय यो जोंग को ही दिया जाता है।

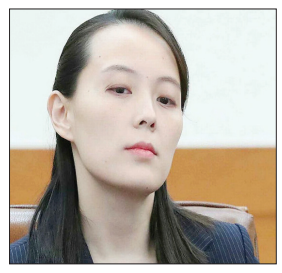

कनाडा ने तिब्बत को लेकर ड्रैगन की दुखती रग को छेड़ा

टोरंटो (एजेंसी)। खालिस्तान के मामले में भारत से नाराजगी झेल रहे कनाडा ने अब चीन को उकसा दिया है। कनाडा की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमंस में एक प्रस्ताव पारित हुआ है, जिसमें कहा गया है कि तिब्बत को खुद तय करने का अधिकार है कि वह किसके साथ रहना चाहता है। तिब्बत पर 7 दशकों से चीन का अवैध कब्जा है। वह चाइना पॉलिसी के तहत अब अपने ही देश का हिस्सा मानता है। हालांकि तिब्बतियों का एक बड़ा समूह निर्वासित है और हमेशा चीन के खिलाफ आंदोलन करता रहता है। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा सहित हजारों लोग भारत में भी हैं, जो हमेशा चीन के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं। कनाडा की संसद में सांसद एलेक्सिस ब्रुनेले-ड्यूसेपे ने प्रस्ताव पेश किया था, जिसे मंजूर कर लिया गया। सदन में मौजूद सभी सांसदों ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। हालांकि जिस दौरान यह प्रस्ताव लाया गया, उस वक्त सदन में पीएम जस्टिन ट्रूडो नहीं थे। एक अन्य सांसद जूली विग्नोला ने लिखा, आज इस प्रस्ताव को एक साल की बहस के बाद मंजूर कर लिया गया। वहीं कनाडा तिब्बत कमेटी ने लिखा कि हमें खुशी है कि कनाडा की संसद ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि तिब्बत को अपने बारे में खुद फैसला लेने का अधिकार है। सबसे अहम बात यह है कि इस प्रस्ताव में तिब्बत के लोगों को एक अलग मुल्क के तौर पर माना गया है और उन्हें अपने बारे में फैसले का अधिकार दिया गया है। कनाडा की संसद में पास प्रस्ताव में कहा गया, तिब्बतियों को अधिकार है कि वे अपनी आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक नीतियों को चुन सकें।

खालिस्तानी समर्थक से सांसद बने अमृतपाल की रिहाई के लिए अमेरिका में घमासान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वाशिंगटन,(ईएमएस)। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने जेल में रहकर लोकसभा का चुनाव जीता है। अमृतपाल अब सांसद है और दुनिया के कई देशों में इनके चर्चे हैं। अमेरिका भी इससे अछूता नहीं है। रिहाई के लिए अब अमेरिका में आवाज उठने लगी हैं। खबर है कि मामला देश की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस तक भी पहुंच चुका है। इतना ही नहीं सिंह के समर्थन में मुहिम चला रहे भारतवंशी वकील जसप्रीत सिंह अब अमेरिकी नेताओं से बात कर भारत पर दबाव डालने की तैयारी कर रहे हैं। अमृतपाल फिलहाल असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है।रिपोर्ट्स के अनुसार, सिंह ने अमृतपाल को हिरासत में लिए जाने को अन्याय करार दिया है। साथ ही वह 100 से ज्यादा अमेरिकी नेताओं से संपर्क साधने की योजना बना रहे हैं, ताकि अमृतपाल की रिहाई के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाया जा सके। सिंह ने एक वीडियो में कहा, बीते दो-तीन महीनों में मैंने उनसे दो बार मुलाकात की है। मैंने उनसे इमीग्रेशन के मुद्दे पर बात की। मैंने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने मुझे दफ्तर में मिलने का समय दिया है। मैं उनसे 11 जून को मिलूंगा। सिंह का कहना है, अमृतपाल ने बड़ी जीत दर्ज की है और उनका हिरासत में रहना मानवाधिकार पर गंभीर सवाल उठाता है। अमृतपाल ने पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। यहां उसने कांग्रेस नेता कुलबीर सिंह के खिलाफ करीब 2 लाख वोट के अंतर से जीत हासिल की है। खास बात है कि यह पहली बार है जब सिंह भारत से जुड़े किसी मुद्दे को जोर शोर से उठा रहे हैं।

सिंह ने यह भी बताया है कि वे सांसद जैक्लिन शेरिल रोजेन और कांग्रेसमैन रुबेन गैलेगो से मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने विस्तार में एक रिपोर्ट भी तैयार की है और कई नेताओं को पत्र भी भेजे हैं। इनमें उपराष्ट्रपति हैरिस और सीनेटर रॉब मेन्डेज का नाम शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिंह ने कहा, मैंने 20 से ज्यादा अमेरिकी नेताओं से बात की है और वे सभी सहमत है कि इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए। अमेरिका मानवाधिकार का मूल्य जानता है, फिर चाहे वह देश में हो या विदेश में। कहा जा रहा है कि इस मामले में सिंह की मदद कर रही कानूनी टीम ने केस के बारे में बारीकी से जानकारी जुटाई है। साथ ही उन्हें लगता है कि अमृतपाल को हिरासत में रखना अन्याय है। सिंह के मुताबिक, कानून में एक सिद्धांत है कि सजा अपराध के बराबर होनी चाहिए। हमने मानवाधिकार के एंगल से इस मामले को अमेरिकी सरकार के सामने उठाया है।

दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट बन गया है कूड़े का ढेर

-11 टन कूड़ा हटाया, मिली 4 लाशें और 1 कंकाल भी

काठमाडु (एजेंसी)। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को भी अब टूरिस्ट स्पॉट बना दिया गया है। इस वजह से आए दिन लोग इसपर चढ़ते हैं। यही कारण है कि माउंट एवरेस्ट कूड़े का ढेर बन गया है। हाल ही में नेपाली आर्मी ने माउंट एवरेस्ट की सफाई की। उन्होंने माउंट एवरेस्ट समेत हिमालय की अन्य 2 चोटियों से 11 टन कूड़ा हटाया। साथ ही जो चीजें मिलीं, वो देखकर तो उनके होश ही उड़ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक नेपाली आर्मी ने हाल ही में दावा किया है उन्होंने माउंट एवरेस्ट से 11 टन कूड़ा हटाया है। इसके साथ ही उन्हें 4 लाशें मिलीं और 1 कंकाल भी, जिसे वहां से कूड़े के साथ हटाया गया है। हिमालय की दो अन्य चोटियों को भी साफ किया गया है। आर्मी को माउंट एवरेस्ट, नुपसे और लोहसे जैसी चोटियों से कूड़ा हटाने में 55 दिनों का वक्त लग गया। अंदाजा लगाया जा रहा है कि माउंट एवरेस्ट पर 50 टन कूड़ा, और 200 से ज्यादा लाशें मौजूद हैं। आर्मी ने सालाना होने वाली सफाई को अंजाम दिया।

साल 2019 में माउंट एवरेस्ट को दुनिया का सबसे ऊंचा कचरे का डंपिंग स्थल माना गया था क्योंकि पहाड़ पर भीड़ ज्यादा बढ़ रही थी। 5 सफाई कार्यक्रमों के बाद आर्मी का दावा है कि उन्होंने 119 टन कूड़ा, 14 इंसानी लाशें और कुछ कंकाल बरामद किए हैं। इस साल प्रशासन माउंट एवरेस्ट से कूड़े को कम करना चाहती है, ऐसे में कुछ वक्त पहले उन्होंने नियम बनाया था कि जो लोग भी पर्वत पर चढ़ने जाएं, वो अपने साथ अपने मल को वापिस लेते आएं।

वसंत के क्लाईंबिंग सीजन का अंत मई में हुआ है। सरकार ने 421 लोगों को पहाड़ पर चढ़ने की इजाजत दी थी। पिछले साल 478 लोग इस पहाड़ पर चढ़े थे। इसमें नेपाली गाइडों की संख्या नहीं शामिल की गई है। उनका भी आंकड़ा जोड़ा जाए तो करीब 600 लोग इस साल माउंट एवरेस्ट पर चढ़े हैं। इस साल 8 पर्वतारोहियों की या तो मौत हो गई, या फिर वो लापता हो गए। पिछले साल ये संख्या 19 थी। बता दें कि एक वक्त था कि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतेह करने वाले का इतना नाम होता था कि उसे सिर्फ व्यक्ति के ही देश में नहीं, बल्कि दुनिया में बहुत तारीफें मिलती थीं। इसी वजह से बछेंद्री पाल, अवतार सिंह चीमा, एडमंड हिलरी और टेंग्जिंग नॉर्गे जैसे लोगों का नाम आज भी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाइयों से गूंजता है।

कंगना को थप्पड़ मारने वाली कुलविंदर को सोने की अंगूठी भेजेगी टीपीडीके

-सीआईएसएफ की महिला जवान के समर्थन में लोगों ने निकाली थी रैली

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ की जवान कुलविंदर कौर के समर्थन में कई लोग हैं। कई घटना की आलोचना कर रहे हैं तो कुछ कुलविंदर की रिहाई के लिए जुलूस निकलने लगे। अब थानथाई पेरियार द्रविदार कड़गम (टीपीडीके)पार्टी ने कुलविंदर कौर के लिए सोने की अंगूठी भेजने का फैसला किया है। इस रिंग में पेरियार की तस्वीर भी लगी है। टीपीडीके के महासचिव केयू रामाकृष्णन ने कहा कि वह कुलविंदर को आठ ग्राम सोने की रिंग भेजने की योजना बना रहे हैं। हम चाहते हैं कि किसानों के लिए निर्भीक तरीके से खड़ी होने वाली महिला को सम्मानित किया जाए। बता दें कि थप्पड़ मारने के बाद कुलविंदर कौर ने कहा था कि कंगना ने धरने पर बैठे किसानों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था। वहीं कुलविंदर की मां भी धरने पर बैठी थीं। रामाकृष्णन ने कहा कि वह कुलविंदर कौर के घर के अड्रेस पर रिंग भेजेंगे। अगर वह कुरियर को स्वीकार नहीं करेंगी तो हम अपने किसी सदस्य को उनके घर भेजेंगे। हमारा कोई साथी ट्रेन या फ्लाइट से उनके घर जाएगा और पेरियार की कुछ पुस्तकें भी कुलविंदर को देगा। विगत दिवस मोहाली में कुलविंदर के समर्थन में रैली निकाली गई थी। लोगों की मांग थी कि इस मामले की पूरी जांच की जाए और कुलविंदर कौर के खिलाफ एफआईआर रद्द की जाए। मोहाली पुलिस ने तीन सदस्यीय एसआईटी बनाई है। एसपी सिटी हरबीर सिंह अटवाल की अगुआई में यह टीम जांच करेगी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा था कि कुलविंदर कौर ने गुस्से के चलते कंगना को थप्पड़ मारा होगा। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी हुआ उसपर खेद है।

कश्मीर में ओजीडब्ल्यू नेटवर्क से छह किलो आईईडी बरामद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने हाल ही में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में मुठभेड़ में मारे गए आतंकी रेयाज अहमद डार के ओवरग्राउंड वर्कर नेटवर्क से छह किलो के दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किए हैं। आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर डार अपने सहयोगी रईस अहमद डार के साथ 3 जून को पुलवामा के निहामा गांव में संयुक्त बलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया था। पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान एके-47 राइफल, एके-47 राउंड, पिस्तौल और अन्य सामग्री भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किये गए थे। पुलिस के सोमवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि ओजीडब्ल्यू नेटवर्क का खुलासा किया गया और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि मारे गए दोनों आतंकवादियों ने आईईडी तैयार किया था जिसे बाद में शाकिर बशीर के कब्जे से बरामद किया गया। बशीर ने इसे बगीचों में छिपा रखा था। इन आईईडी विस्फोटकों को सक्रिय सर्किट ट्रिगर तंत्र के साथ एक प्लास्टिक कंटेनर में पैक कर रखा गया था। इनका वजन करीब छह किलोग्राम था। इसे बाद में पुलवामा पुलिस और सेना ने नष्ट कर दिया। पुलिस ने कहा कि मामले में जांच जारी है।

मोदी सरकार की वापसी का जश्न मनाकर लौट रहे युवकों पर चाकू से हमला

मंगलुरू। देश में एक बार फिर नरेंद्र मोदी सरकार ने सत्ता संभाल ली है। मोदी के शपथ ग्रहण के बाद देश में जश्न का माहौल था। बीजेपी के कार्यकर्ता खुशी में आतिशबाजी और मिठाई बांट रहे थे। वहीं मंगलुरु में भी जश्न मनाकर लौट रहे बीजेपी के दो कार्यकर्ताओं पर कुछ आसामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। इन लोगों ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को चाकू मारकर घायल कर दिया जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस कमिश्नर अनुपम अग्रवाल ने बताया कि इस घटना में 41 साल के हर्ष और 24 साल के नंदकुमार घायल हुआ है। दोनों मोदी सरकार की वापसी का जश्न मनाने जुलूस में शामिल होने गए थे और वहीं से लौट रहे थे तभी इन दोनों ने एक विशेष समुदाय के धार्मिक स्थल के बाहर नारेबाजी करने लगे, जिसके बाद वहां मौजूद कुछ युवकों से उनका विवाद हो गया। उन युवकों ने हर्ष और नंदकुमार पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हमला करने वाले युवकों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले में मस्जिद से जुड़े एक शख्स की शिकायत पर नारेबाजी करने वाले युवकों पर मामला दर्ज किया है। अब्दुल्ला ने अपनी शिकायत में कहा है कि धार्मिक स्थल के पास खड़े होकर ये बीजेपी कार्यकर्ता उकसाने वाले नारे लगा रहे थे। बाहर खड़े लोगों को गालियां दे रहे थे। फिलहाल कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और बीजेपी आरोप लगाती रही है कि वह मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करती है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 240 सीटें जीतने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने फिर से एनडीए के घटक दलों के साथ सरकार बनाई है।

18 से शुरू होगी वैष्णो धाम में हेलीकॉप्टर सुविधा

कटड़ा। माता वैष्णव धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए 18 जून से हैलीकॉप्टर की सेवा प्रारंभ हो जाएगी। सुविधा का लाभ लेने के लिए हैलीकाप्टर बुक करने के लिए श्रद्धालुओं को श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट पर जाना होगा। इस संबंध में एक्स पर श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने लिखा कि जम्मू-वैष्णो देवी हेलीकॉप्टर पैकेज में श्रद्धालुओं को हैलीकॉप्टर सुविधा के साथ-साथ बैटरी कार सुविधा, दर्शनों में प्राथमिकता, भैरों घाटी रोपवे सुविधा सहित रिफ्रैशमैंट और प्रसाद भी दिया जा रहा है। वहीं अगले दिन वापसी का पैकेज बुक करने वाले श्रद्धालुओं को श्रद्धा सुमन विशेष पूजा (एस.एस.बी.पी.) आरती व भवन पर रुकने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट के अनुसार उसी दिन वापस आने वाले श्रद्धालुओं को 35000 प्रति श्रद्धालु का भुगतान उक्त सुविधा हेतु करना होगा। वहीं अगले दिन वापसी करने वाले प्रति श्रद्धालु को 60,000 रुपए का भुगतान करना होगा। श्रद्धालु आधिकारिक वैबसाइट से 18 जून से उक्त पैकेज सुविधा को बुक कर सकते हैं।

महिला की हत्या कर हाथ पैर ऋषिकेश तो बाकी का हिस्सा इंदौर भेजा, दो राज्यों की पुलिस परेशान

ऋषिकेश। मध्य प्रदेश से ऋषिकेश पहुंची ट्रेन में रखे एक बोरे में महिला के कटे हुए हाथ पैर मिले हैं। जबकि आधा शरीर इंदौर से बरामद किया गया है। ये महिला कौन थी और कैसे इसकी हत्या हुई जैसे राज खोलना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की पुलिस इस मामले को सुलझाने लगी हुई है। मध्य प्रदेश से उत्तराखंड के ऋषिकेश पहुंची ट्रेन में सफाई के दौरान एक प्लास्टिक के बोरे को खोलते ही सफाई कर्मियों के होश उड़ गए। बोरे के अंदर से महिला के कटे हाथ और पैर मिलने के बाद हर कोई दंग रह गया। रेलवे यार्ड के वाशिंग लाइन में सफाई कर्मचारियों ने इसकी सूचना जीआरपी को दी। महिला के शरीर के बाकी हिस्से मध्य प्रदेश के इंदौर में मिले हैं। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि महिला का मर्डर कर शव के टुकड़ों को ट्रेन में भेज दिया गया है। पुलिस अब इस मामले में हर एंगल से जांच कर रही है। पुलिस ने हाथ-पैर को कब्जे में लेकर उन्हें पंचनामा भरकर पहचान होने तक एम्स की मोर्चरी में रखवाया गया है। मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस की कई टीमें भी बनाई गई है। पुलिस इस मामले में हर एंगल से जांच करने में जुटी हुई है। जीआरपी थाने के एसएचओ त्रिवेंद्र राणा के अनुसार, नौ जून को इंदौर रेलवे स्टेशन पर यार्ड में खड़ी एक पैसेंजर ट्रेन में एक महिला का दो टुकड़ों में शव मिला था। महिला के सिर से कमर तक का शरीर का हिस्सा ट्रेन में रखे ट्रॉली बैग और कमर से नीचे का हिस्सा एक बोरे में मिला था। महिला के शव से हाथ और पैर गायब थे। महिला की उम्र लगभग 25 वर्ष आंकी गई। प्रथमदृष्या ऋषिकेश में महिला के जो हाथ और पैर मिले हैं, वो इंदौर में मिले महिला के शव के बाकी हिस्से हैं। योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर सोमवार को उज्जैन एक्सप्रेस की बोगी में एक बोरे में महिला के कटे हुए हाथ-पैर मिलने से सनसनी फैल गई। जीआरपी ने महिला के दो हाथ और पैर कब्जे में लिए। फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने मौके से नमूने लिए हैं।जीआरपी ऋषिकेश के मुताबिक, बीते रविवार देर शाम सात बजे के लगभग इंदौर से चलकर उज्जैन एक्सप्रेस योगनगरी ऋषिकेश पहुंची। यहां यात्रियों को उतारने के बाद ट्रेन को स्टेशन के वॉशिंग यार्ड में शिफ्ट किया गया।सोमवार दोपहर को वॉशिंग लाइन नंबर नौ पर ट्रेन की एस-1 और एस-2 कोच के बीच टॉयलेट के पास सफाई कर्मचारियों को एक प्लास्टिक का बोरा पड़ा हुआ मिला था। बोरे से अत्याधिक बदबू आ रही थी।

सच्चा सेवक अहंकारी नहीं होता दूसरे को बिना क्षति पहुंचाए काम करता है: मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूरी तरह बहुमत नहीं मिला है। इससे भाजपा और उससे जुड़े तमाम संगठनों चर्चा हो रही है। भीतर ही भीतर समीक्षा कर नतीजों के नतीजे निकाले जा रहे हैं। इसी बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने चुनाव के नतीजों पर खुलकर अपनी बात रखी है। नागपुर में कार्यकर्ता विकास वर्ग - आरएसएस के लिए एक आवधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम - के समापन के बाद आरएसएस के पदाधिकरी और स्वयंसेवकों की एक सभा को संबोधित करते हुए, कहा कि एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होता है और दूसरों को चोट पहुंचाए बिना काम करता है। कड़वे चुनाव अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, सजावट बरकरार नहीं रखी गई।

इतना ही नहीं मोहन भागवत ने आगे कहा कि चुनाव को युद्ध नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धा के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जिस तरह की बातें कही गईं, जिस तरह से (चुनावों के दौरान) दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को आड़े हाथों लिया। जिस तरह से किसी को भी इस बात की परवाह नहीं थी कि जो किया जा रहा है उससे सामाजिक विभाजन पैदा हो रहा है और बिना किसी कारण के संघ को इसमें घसीटा गया।' टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से झूठ फैलाया गया। क्या ज्ञान का उपयोग इसी तरह किया जाना

चाहिए? ऐसे कैसे चलेगा देश?' विपक्ष पर भागवत ने कहा, मैं इसे विरोध पक्ष नहीं कहता, प्रतिपक्ष कहता हूं. प्रतिपक्ष विरोधी नहीं है। यह एक पक्ष को उजागर कर रहा है और इस पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। यदि हम समझते हैं कि हमें इसी तरह काम करना चाहिए, तो हमें चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक शिष्टाचार का ज्ञान होना चाहिए। उस मर्यादा का ध्यान नहीं रखा गया।÷उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं और चूंकि इसमें दो पक्ष होते हैं, इसलिए प्रतिस्पर्धा होती है। उन्होंने कहा,÷इसकी वजह से दूसरे को पीछे छोड़ने की प्रवृत्ति होती है और ऐसा ही होना भी चाहिए। लेकिन वहां भी मर्यादा महत्वपूर्ण है। असत्य का प्रयोग नहीं करना चाहिए, लोग चुने गए हैं, वे संसद में बैठेंगे और आम सहमति से देश चलाएंगे। सर्वसम्मति हमारी परंपरा है।' भागवत के मुताबिक विचारों और सोच में कभी भी 100 फीसदी तालमेल नहीं होगा।

उन्होंने कहा, 'लेकिन जब समाज तय करता है कि मतभेदों के बावजूद हमें एक साथ चलना है, तो आम सहमति बनती है। संसद में दो पक्ष होते हैं ताकि दोनों पक्षों को सुना जा सके। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, यदि एक पक्ष कोई विचार लाता है, तो दूसरे पक्ष को दूसरा दृष्टिकोण प्रकट करना होगा, उन्होंने कहा, हमें खुद को चुनावों की बयानबाजी की ज्यादतियों से मुक्त करना होगा और भविष्य के बारे में सोचना होगा। मणिपुर में हिंसा में बढ़ोतरी पर भागवत ने कहा, हर जगह सामाजिक वैमनस्य है। यह अच्छा नहीं है। पिछले एक साल से मणिपुर शांति का इंतजार कर रहा है। पिछले एक दशक से यह शांतिपूर्ण था। ऐसा प्रतीत हुआ कि पुराने समय की बंदूक संस्कृति ख़त्म हो गई थी। लेकिन जो बंदूक संस्कृति अचानक आकार ले ली, या बनाई गई, उससे मणिपुर आज भी जल रहा है। इस पर कौन ध्यान देगा? इससे प्राथमिकता से निपटना कर्तव्य है।' उन्होंने मणिपुर में जारी हिंसा पर संघ की चिंता भी दोहराई और पूछा कि जमीनी स्तर पर समस्या पर कौन ध्यान देगा। उन्होंने कहा कि इसे प्राथमिकता के आधार पर निपटाना होगा।

वाराणसी में किसान सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं पीएम मोदी, प्रधानमंत्री के भव्य स्वागत की तैयारी में जुटे बीजेपी कार्यकर्ता

नई दिल्ली। नई सरकार बनने और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद नरेंद्र मोदी 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में किसान सम्मेलन में शामिल होने जा सकते हैं। शपथ लेने के बाद पीएम मोदी का यह पहला वाराणसी दौरा होगा। स्थानीय बीजेपी नेताओं ने कहा कि किसान सम्मेलन के लिए रोहनिया या सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र में स्थान की तलाश की जा रही है। पीएम मोदी के वाराणसी दौरे को लेकर गुलाब बाग स्थित पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक हुई। बीजेपी काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि पीएम मोदी एक दिवसीय दौरे में दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भाग ले सकते हैं और इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी के भव्य स्वागत की तैयारी करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मेलन के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने की प्रक्रिया भी कर दी गई है। 2024 के लोकसभा चुनावों में पीएम मोदी ने लगातार तीसरी बार अपनी वाराणसी सीट जीती है और कांग्रेस के अजय राय को 1.5 लाख से ज्यादा मतों से उन्हें हराया है।

चीन और पाकिस्तान के साथ आने वाले सालों में विवादों को सुलझाने पर देंगे जोर

-नई सरकार में दोबारा एस जयशंकर ने कार्यालय पहुंच संभाला विदेश मंत्री का पदभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई सरकार में भारत के एक बार फिर विदेश मंत्री बने एस जयशंकर ने मंगलवार को विदेश मंत्रालय के कार्यालय पहुंचकर विदेश मंत्री के तौर पर कार्य भार को संभाला है। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से मुलाकात की। मीडिया कर्मियों के पीओके के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरे मुंह में शब्द ना डालें। जयशंकर ने कहा कि भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भारत को दोस्त की नजर से देख रही है। भारत जो संकट की घड़ी में दुनिया के देशों के साथ खड़ा रहता

है। उन्होंने नवाज शरीफ की बधाई संदेश को लेकर भी कहा और बताया कि पीएम मोदी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रिप्लाई किया गया है।

पाकिस्तान और चीन के साथ आने वाले पांच सालों में रिश्तों पर जयशंकर ने कहा कि हम विवादों को सुलझाने पर जोर दे रहे हैं। भारत में राजनीतिक स्थिरता है जिसका उदाहरण लगातार तीन बार की मोदी सरकार दे रही है। चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते थोड़े अलग है। यही कारण है कि दोनों देशों के साथ समस्याएं भी अलग हैं। चीन के साथ आने वाले सालों में हम सीमा मुद्दा खत्म करने की कोशिश करेंगे तो वहीं पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद और आतंकवाद का समाधान भी ढूंढा जाएगा।

विदेश मंत्रालय की कमान एक बार फिर मिलने पर उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलना बड़ी बात है। ये सम्मानजनक है। बीते कार्यकाल में मंत्रालय ने अच्छा काम किया। जी20 की अध्यक्षता की, वैक्सीन मैत्री आपूर्ति की, कोविड की चुनौतियों का सामना किया। हम ऑपरेशन गंगा और ऑपरेशन कावेरी जैसे अहम रेस्क्यू ऑपरेशन विदेशों में भी चलाए। बीते एक दशक में पीएम मोदी के नेतृत्व में मंत्रालय ने जन केंद्रित काम किए हैं। इसके जरिए बेहतर पासपोर्ट सेवा, सामुदायिक कल्याण निधि सहायता के तौर पर देखा जा सकता है। हम ऐसा देश बनना चाहते हैं जिसपर लोग भरोसा करते हैं।

गुजरात में भाजपा की हैट्रिक रोकने वाली गेनीबेन ठाकोर का गुजरात कांग्रेस करेगी सम्मान

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में भाजपा की क्लीन स्वीप की हैट्रिक की उम्मीदों पर पानी फेरने वाली बनासकांठा से निर्वाचित गेनीबेन ठाकोर गुजरात कांग्रेस सम्मान करेगी। अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में गेनीबेन के सम्मान में 13 जून को समारोह का आयोजन किया गया है। यह सम्मान समारोह गुजरात कांग्रेस प्रभारी मुकुल वासनिक की उपस्थिति में होगा। जिसमें गुजरात कांग्रेस के नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव में गेनीबेन ठाकोर कांग्रेस की एक मात्र ऐसी प्रत्याशी हैं जिन्होंने जीत हासिल की है। उत्तर गुजरात की बनासकांठा लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर ने भाजपा प्रत्याशी रेखाबेन चौधरी को 30604 वोटों के अंतर से हराया है। कांग्रेस प्रत्याशी गेनीबेन ठाकोर को 671883 वोट मिले थे। जबकि भाजपा उम्मीदवार रेखाबेन चौधरी को 641477 वोट मिले। गुजरात से लोकसभा में कांग्रेस का वनवास खत्म करने वाली गेनीबेन ठाकोर का 13 जून को दोपहर 2 बजे सम्मान करेगी। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2024 के चुनाव में भाजपा का लक्ष्य गुजरात में क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगाना था। लेकिन गेनीबेन ठाकोर ने बनासकांठा सीट जीतकर भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद बसपा में हुई सर्जरी, पश्चिमी उप्र में बदले प्रभारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति की नजर में उत्तर प्रदेश सबसे महत्वपूर्ण राज्य है और यहां हर एक दल अपना वोट बैंक मजबूत करना चाहता है। ऐसे में यदि चुनावी परिणाम अपेक्षानुसार न मिलें तो दलों में चिंता होना लाजिमी है। इस बार के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने भाजपा और बसपा को चिंतित कर दिया है। बसपा ने करारी हार के बाद समीक्षा शुरू हो चुकी है।

पार्टी हाईकमान ने संगठन में फेरबदल शुरू कर दिया है। वहीं भाजपा की भी तैयारी है। प्रदेश स्तर से लेकर जिलों तक में बदलाव होना तय माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा के दौरान राजनीतिक दल जहां जो खामी महसूस कर रहे हैं वहां उसे दूर करने के लिए अलग-अलग प्वाइंट पर फोकस करते हुए उन्हें दूर करने की रणनीति तैयार की जा रही है। लोकसभा चुनाव में बुरी तरह से पराजित हुई बसपा ने अपने संगठन में व्यापक बदलाव किया है। बदलाव के क्रम में पश्चिम यूपी प्रभारी को बदल कर बसपा ने अपना इरादा साफ कर दिया है कि संगठन में परिणाम देने वाले लोग ही चल सकेंगे। बसपा ने मुरादाबाद निवासी पूर्व सांसद गिरीश चंद्र जाटव को पश्चिम यूपी का प्रभारी बनाया है। अभी तक पश्चिम यूपी के प्रभारी शमसुद्दीन राईन थे उन्हें हटा दिया गया है।

लोकसभा चुनाव में बसपा को तगड़ा झटका लगा है। उसे कभी भी इतने कम वोट नहीं मिले हैं। मुरादाबाद में बसपा प्रत्याशी एक लाख वोट तक नहीं पहुंचा वहीं जिस नगीना सीट से गिरीश चंद्र खुद 2019 में सांसद बने वहां तो और ज्यादा खराब स्थिति रही। आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर की नगीना से जीत ने मायावती को हिला दिया है। भाजपा मुरादाबाद सीट एक लाख से ज्यादा मतों से हारी। मुरादाबाद लोकसभा के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही यूपी में भाजपा का प्रदर्शन बुरी तरह से गड़बड़ा गया। भाजपा में संगठन के लिहाज से बदलाव होना तय माना जा रहा है। पश्चिम यूपी के सभी जिलों में जहां पार्टी का प्रदर्शन आशा अनुरूप नहीं रहा है वहां स्थितियों का आकलन शुरू कर दिया गया है।

बंगाल के संघ कार्यकर्ता शांतनु सिन्हा पर 10 करोड़ का मानहानि केस

-बीजेपी नेता पर लगाया था महिलाओं के यौन शोषण का आरोप, अब पलटे

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के शांतनु सिन्हा जिन्होंने बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय पर महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप लगाया था, अब वह अपने ही लगाए आरोपों से पलट गए हैं। उन्होंने अब कांग्रेस पार्टी को भरा बुरा कहा है। शांतनु सिन्हा ने कांग्रेस पर फर्जी प्रचार करने का आरोप लगाया और सबसे घटिया और सबसे भ्रष्ट राजनीतिक पार्टी करार दिया है।

उन्होंने कहा कि वह इस बात से दुखी हैं कि देश की सबसे घटिया और सबसे भ्रष्ट राजनीतिक पार्टी कांग्रेस, उनके फेसबुक अकाउंट से बंगाली में की गई पोस्ट के जरिए अमित मालवीय और बीजेपी के खिलाफ नफरत भरा अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि पोस्ट के किसी भी कोने में अमित मालवीय द्वारा महिलाओं के यौन शोषण के बारे में कोई बात नहीं है। बल्कि, उन्होंने अपनी आशंका व्यक्त की है कि पार्टी के बेईमान नेताओं द्वारा मालवीय को हनीट्रैप में फंसाया जाएगा, ताकि हाल ही में हुए चुनाव में बड़ी

हार के बावजूद वे अपने पद पर बने रहें।

सिन्हा ने कहा कि वह संघ के स्वयं सेवक हैं, एबीवीपी के पूर्व राज्य सचिव हैं और राज्य विधानसभा चुनाव और कोलकाता नगर निगम चुनाव में उम्मीदवार रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनके पोस्ट की गलत व्याख्या करके बीजेपी और उसके पदाधिकारियों को किसी भी तरह से कमजोर किया जाए।

उन्होंने कहा कि वह साफ संदेश देना चाहता हूं कि पोस्ट का उद्देश्य मालवीय को बदनाम करना नहीं था, बल्कि हनीट्रैप में न फंसने की चेतावनी देना था, जिसे सबसे पहले राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष और त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने कामिनी कंचन के नाम से उजागर किया था।

कैलाश विजयवर्गीय, सिद्धार्थ नाथ सिंह, प्रदीप जोशी और शिवप्रसाद सहित पार्टी नेताओं के खिलाफ इसी तरह के आरोपों का हवाला देते हुए सिन्हा ने कहा कि पार्टी को राज्य में इस तरह के हनीट्रैप का कड़वा अनुभव है, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनके खिलाफ मामले अभी भी अदालत में लंबित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि, अतीत में, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई बार हनीट्रैप की क्लिप सामने लाने की धमकी दी है।

बता दे कि बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोमवार को सिन्हा पर मानहानि के लिए 10 करोड़ रुपए का मुकदमा दायर किया। कानूनी नोटिस में, मालवीय ने सोशल मीडिया से सिन्हा की झूठी और अपमानजनक पोस्ट को हटाने की मांग की और उन्हें स्पष्टीकरण देने के लिए 72 घंटे का समय दिया था। कानूनी नोटिस में कहा गया है कि अगर कोई जवाब नहीं मिलता है या अपर्याप्त प्रतिक्रिया मिलती है, तो उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद बयान जारी किया जाएगा।

अमृतपाल की रिहाई का मामला पहुंचा अमेरिका

नई दिल्ली। खालिस्तान समर्थक और कट्टरपंथी सिख उपदेश अमृतपाल सिंह लोकसभा चुनाव जीत चुका है। सांसद बनते ही अमृतपाल सिंह के चाहने वाले भी सक्रिय हो गए हैं। आलम यह है कि अमृतपाल को लेकर अमेरिका तक हलचल बढ़ गई है। अमृतपाल की रिहाई की बात अब अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस तक पहुंच चुकी है। अमेरिकी-सिख वकील जसप्रीत सिंह ने खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह को जेल से रिहा करवाने के लिए अमेरिका से दखल देने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से संपर्क किया है। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 में खडूर-साहिब सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अमृतपाल सिंह ने जीत दर्ज की है। अमृतपाल सिंह आतंकवाद के आरोप में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जसप्रीत सिंह अमृतपाल की रिहाई के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाने के लिए 100 से अधिक अमेरिकी कांग्रेसियों से संपर्क करने की योजना बना रहे हैं। जसप्रीत सिंह ने कहा, 'मैं पिछले दो-तीन महीनों में उनसे (कमला हैरिस) दो बार मिल चुका हूं।

गुफाओं में छिपे बैठे आतंकियों को बाहर निकालने नई तकनीक का इस्तेमाल

- गुफाओं में प्रवेश मार्ग की ड्रोन से जुटाई जा रही हैं सूचनाएं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की गुफाओं में छिपे बैठे आतंकियों बाहर निकालने और उनका खात्का करने के लिए अब भारतीय सुरक्षा बल, ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार और थर्मल इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल कर रही हैं। अभी तक इन उपकरणों से कोई मदद नहीं मिल रही है। वजह, आतंकी इन उपकरणों की तकनीक से वाकिफ हैं।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को आतंकियों ने तीर्थयात्रियों की बस पर हमला कर दिया था। फायरिंग देख ड्राइवर ने बस पर नियंत्रण खो दिया और बस खाई में जा गिरी जिसमें दस लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 33 से ज्यादा घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय बलों की खुफिया इकाई से जुड़े विश्वस्त सूत्रों का कहना है, जम्मू-कश्मीर के घने जंगलों में स्थित प्राचीन गुफाओं में करीब 58 पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी छिपे हैं। करीब 32 स्थानीय आतंकी भी उनके साथ हैं।

इसके अलावा करीब दो दर्जन ऐसे लोग हैं, जो दहशतगर्दों के लिए मुखबिरी का काम करते हैं। भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जेकेपी, उन प्राकृतिक गुफाओं तक पहुंच रही है, जहां ये आतंकी छिपे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सीक्रेट प्लान के मुताबिक आतंकी जिंदा या मुर्दा उन्हें गुफाओं से बाहर घसीटकर लाएंगे।

जम्मू क्षेत्र के पुंछ और राजौरी इलाके में बीहड़ जंगल हैं। इन्हीं जंगलों में अनेक प्राकृतिक गुफाएं हैं। पिछले साल सेना प्रमुख, जनरल मनोज पांडे ने निर्देश दिया था कि प्राकृतिक गुफाओं में छिपे आतंकियों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए। उनके ठिकानों पर प्रहार किया जाए। राजौरी-पुंछ के वन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की टीमें पहुंच रही हैं। ऑपरेशन में सीआरपीएफ का कोबरा दस्ता, जो जंगल वॉरफेयर में एक्सपर्ट है, उसकी मदद ली जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक गुफाओं में पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हुए हैं। कुछ गुफाएं ऐसी जगह पर स्थित हैं, जहां तक सुरक्षा बलों की पहुंच नहीं है। आतंकी, ऊंचाई का फायदा उठाते हैं। पिछले साल दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के कोकेरनाग जंगल क्षेत्र में चले ऑपरेशन में दो आतंकियों को मारने का दावा किया गया था। जब सुरक्षा बलों ने गुफा की तरफ चढ़ाई की, तो आतंकियों ने फायरिंग कर दी। उस हमले में भारतीय सेना का एक कर्नल, एक मेजर और एक डीएसपी शहीद हो गए थे। ऑपरेशन के छठे दिन, एक अन्य जवान की बॉडी मिली थी।

सुरक्षा बलों की टीम, अब प्राकृतिक गुफाओं में छिपे आतंकियों को बाहर निकालने का जो तरीका अपना रही है, वह करो या मरो का है। यानी किसी भी तरह से आतंकी, जिंदा

या मुर्दा, गुफा से बाहर आना चाहिए। गुफाओं में अब बड़े हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें स्नाइपर्स गन, मोर्टार, अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर, रॉकेट और भारी मशीनगन शामिल है। जहां पर भी आतंकियों के छिपने की पुख्ता सूचना मिले, वहीं उक्त हथियारों का प्रयोग किया जाए। गुफाओं में प्रवेश मार्ग को लेकर ड्रोन से सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। घने जंगल में खुफिया एजेंसियों को उन रास्तों पर लगाया गया है, जहां से आतंकियों की सप्लाई चेन जारी रहती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

खान एवं खनिज विभाग के अधिकारी ने मांगी २ लाख रुपये रिश्वत

बालू को लेकर चल रहे काम में परेशान नही करने के लिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में अहमदाबाद एसीबी की टीम ने सफल ट्रैप किया है. बालू को लेकर चल रहे काम में फ्लाइंग स्कड के माध्यम से काम नहीं करने के लिए खान एवं खनिज विभाग के एक अधिकारी ने २ लाख की रिश्वत मांगी थी. एसीबी ने पुरानी सीमाडा सड़क पर जाल बिछाया और अधिकारी की मदद करने वाले व्यक्ति को पकड़ लिया. वहीं अधिकारी भाग गया, जिसकी तलाश जारी है. फिलहाल एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है और कानूनी

कार्रवाई की गई है.

जानकारी के अनुसार रेत संचालन से जुड़ा एक व्यक्ति मण्डली की ओर से प्राप्त रॉयल्टी परमिट के आधार पर भाठा क्षेत्र में रेत संचालन कर रहा है. हालाँकि, इस कार्रवाई में खनिज विभाग के फ्लाइंग स्कॉड अधिकारी द्वारा उनके संचालन और परिसर को परेशान नहीं करने के लिए २ लाख की रिश्वत की मांग की गई थी. खान एवं खनिज विभाग के फ्लाइंग स्कॉड में सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत नरेश जानी और एक अन्य कपिल परसोत्तमभाई प्रजापति ने रिश्वत की मांग की थी. हालाँकि, शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने अहमदाबाद एसीबी में शिकायत दर्ज कराई.

एसीबी टीम ने महादेव कार्टिंग, गुजरात एंटरप्राइज, योगी चौक, बीआरटीएस रोड, पुराने सिमाडा रोड पर जाल बिछाया और जाल के दौरान आरोपी कपिल को मौके पर ही रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया. वहीं मुख्य आरोपी अधिकारी नरेश जय के खिलाफ जांच जारी है और अभी तक उसका पता नहीं चल पाया है. फिलहाल गिरफ्तार आरोपी को हिरासत में लिया गया है और कानूनी कार्रवाई की गई है.

उधना साउथ जोन-ए के मूल्यांकन विभाग के दो क्लर्कों को एसीबी ने ३५,००० रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, एसीबी द्वारा सूरत नगर निगम के अधिकारियों की गिरफ्तारी का सिलसिला अभी भी देखने को मिल रहा है. मानों कर्मचारियों को अवैध और कानूनी काम के लिए भुगतान करना ही पड़ता है. ऐसी छवि सूरत निगम की बन रही है. इस बार उधना साउथ जोन-ए के मूल्यांकन विभाग के दो क्लर्कों को एसीबी ने

३५ हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है. अधियाचना पर कार्रवाई करने के एवज में रिश्वत मांगी गयी थी. इसी बीच एसीबी ने जाल बिछाकर दोनों को पकड़ लिया और कानूनी कार्रवाई की.

सूरत नगर निगम में मकान का टैक्स चुकाता एक व्यक्ति जो हर तीन साल में जमा करना होता है, टैक्स मांगने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बदले दोनों आरोपियों ने आपस में मिलीभगत कर ३५ हजार की रिश्वत मांगी. इसी बीच शिकायत मिलने पर एसीबी ने जाल बिछाया और दोनों को पकड़ लिया और कानूनी कार्रवाई की. एसीबी ने सूरत के उधना साउथ जोन-ए में अकरणी विभाग के क्लर्क जिग्नेशकुमार चिमन पटेल और मेहुलकुमार बालू पटेल को गिरफ्तार किया. एसीबी ने जाल बिछा कर खटोदरा राकड़िया हनुमान मंदिर के पीछे से रिश्वत लेते पकडा.

आरोपीः (१) जिग्नेशकुमार चिमन पटेल, क्लर्क, मूल्यांकन विभाग, सूरत नगर निगम, दक्षिण जोन-ए, उधना, सूरत। कक्षा-३

(२)मेहुलकुमार बालू पटेल क्लर्क, मूल्यांकन विभाग, सूरत नगर निगम, दक्षिण जोन-ए, उधना, सूरत। कक्षा-३ स्थानः जय बजरंग पान और फुल सेंटर के सामने, खरवर नगर, राकड़िया हनुमान मंदिर के पीछे, उधना कैनाल रोड, सूरत

सारोली में स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने छापा मारकर दमन की तरह गुलजार रहने वाले बार का भंडाफोड़ किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के सारोली में स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने छापा मारकर दमन की तरह गुलजार रहने वाले बीयर बार का भंडाफोड़ किया है. सरोली थाने से महज एक किमी दूर फ्रिज, कूलर, टेबल-कुर्सियों की सुविधा वाले शराब अड्डे से १० ग्राहकों को पकड़ा गया है. हालांकि, १५ से ज्यादा लोग भाग निकले. सूचना के आधार पर पुलिस के यहां छापेमारी करते ही अफरा तफरी मच गई.

स्टेट मॉनिटरिंग सेल को सूचना मिली कि सूरत में एक सूचीबद्ध बूटलेगर, दिलीप पाटिल, सरोली में सयोना चार रोड के पास अंडा गली में बीयर बार की तरह शराब बार चला रहा था. बीयर बार की तरह यहां भी सीलिंग फैन, बिजली का बल्ब, ट्यूब लाइट, आइस बॉक्स, फ्रिज, एयर कूलर, पानी का जग, स्वाद कलिकाएं, मूंग, चना, बड़ी मात्रा में वेफर पैकेट, जलजीरा पैकेट मिले. इसके अलावा पानी की बोतलें, कोल्ड

ड्रिंक की बोतलें, सोडा की बोतलें, प्लास्टिक के गिलास, कागज के बर्तन के पैकेट भी मिले. यहां बीयर बार की तरह खाने-पीने की व्यवस्था के साथ-साथ ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा भी दी गई थी. फोन-पे और पेटीएम के कुल ७ क्यूआर कोड स्कैनर का पता चला. अवैध शराब तस्कर बिना किसी डर के ग्राहकों से ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से पैसे स्वीकार करते थे. सूचना के आधार पर पुलिस के यहां छापेमारी करते ही अफरा तफरी मच गई. एक छत की आड़ में हरे जाल से एक अलग कंपार्टमेंट बनाया गया और शराब अड्डे पर दमन के बीयर बार जैसी सुविधा बनाई गई थी. पुलिस ने मौके से १० लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें पहरा रखने वाले दो युवक और शराब का लुत्फ लेने आए ग्राहक भी शामिल है. जहां बाकी ग्राहक खेत की ओर भागने में सफल रहे.

जानकारी के मुताबिक, राजूनगर का दिलीप रमेश घरटे यह शराब अड्डा चला रहा था. इस मामले में सरोली पुलिस में मामला दर्ज कर बूटलेगर दिलीप पाटिल, जीतू जिंजला, राजेंद्र, राहुल चंदेल, महेंद्र धराटे समेत ७ को वांछित घोषित किया गया था. पुलिस ने ६१ हजार की शराब, ७२ हजार की शराब और चखना, १० मोबाइल, ६ दोपहिया वाहन मिलकर ५.०४ लाख का माल जब्त किया. शराब तस्कर दिलीप ने अड्डा के बाहर पहरा रखने के लिए २ लोगों को १०-१५ हजार मासिक वेतन पर और शराब बेचने के लिए एक वेतनभोगी को काम पर रखा था. यहां लोहे की टेबल पर १० छोटे बैग में अंग्रेजी शराब की छोटी-बड़ी १७१ बोतलें मिली. शराब की दुकान पर ग्राहकों के लिए स्थापित की गई सुविधा को देखकर स्स्ट अधिकारी हैरान रह गए.

न्यू सिविल अस्पताल में कुछ रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा शराब पार्टी करने का वीडियो वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, गुजरात में शराबबंदी के बीच, शहर में नगर पालिका के स्मीमेर अस्पताल और सरकार के न्यू सिविल अस्पताल में शराब की अनुमति दी गई है ऐसा लग रहा है. स्मीमेर अस्पताल में थाई लड़की के मामले में हंगामा होने के बाद अब न्यू सिविल अस्पताल में कुछ रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा शराब पार्टी करने का वीडियो वायरल हुआ है. इस मामले में प्रभारी डीन ने कहा कि यह वीडियो ६ महीने पुराना है और उसी समय कार्रवाई की गई थी.

नई सिविल अस्पताल परिसर में स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं रेजिडेंट डॉक्टरों के रहने हेतु सिविल परिसर में छात्रावास की व्यवस्था की गई है. हालाँकि, ऐसा लगता है कि कुछ रेजिडेंट डॉक्टरों ने छात्रावास के कमरे में अपना ठिकाना बना लिया है. फिलहाल एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें छात्रावास के एक कमरे में कुछ डॉक्टरों के

शराब का आनंद लेते हुए दृश्य नजर आ रहे है. इसके साथ ही वीडियो में चखने के पैकेट के साथ शराब की बोतल भी नजर आ रही है. नई सिविल में पोस्टमार्टम कक्ष के पास सुरक्षा और संरक्षा संबंधी मुद्दों के लिए एक पुलिस चौकी स्थापित की गई है. उस समय यह भी चर्चा रही कि कुछ लोग बाहर से कार या अन्य वाहन लेकर आते हैं और सिविल परिसर में शराब पीते है. इसके चलते सिविल परिसर में जगह-जगह शराब की खाली बोतलें पड़ी नजर आ रही है. शराब पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मोहुआ मोइत्रा ने कहा, ये वीडियो पुराना है, दिसंबर २०२३ का है. उस समय पुलिस का पत्र आते ही जांच के लिए भेजा गया था और उसके आधार पर कार्रवाई की गई थी और जांच के लिए एक समिति बनाई गई थी और पुलिस को जवाब दिया गया था. अब ये वीडियो कैसे वायरल हुआ, इसके बारे में मुझे कुछ नहीं पता. वीडियो में दिख रहे लोग रेजिडेंट डॉक्टर हैं. ऐसी घटनाएं मेडिकल कैंपस के लिए खराब मानी जाती है. इस मामले में उस वक्त तो कार्रवाई हुई है, लेकिन अब भी ऐसा कुछ सामने आया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी. सुरक्षा के मुद्दे को लेकर हम एक बार फिर सुरक्षा कर्मचारियों को सतर्क करेंगे और रेजिडेंट डॉक्टरों और छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास करेंगे.

स्मीमेर अस्पताल में थाई लड़की के मामले में हंगामा होने के बाद अब न्यू सिविल अस्पताल में कुछ रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा शराब पार्टी करने का वीडियो वायरल

मनपा में सत्ताधारियों के बाद अब विपक्ष ने मानसून पूर्व प्रदर्शन की समीक्षा के लिए १५ जून को निगम के पुराने स्टैंडिंग रूम में उपस्थित रहने का आग्रह किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, मनपा की समीक्षा बैठक में यह बात सामने आई कि निगम का प्री-मानसून ऑपरेशन हो चुका है, लेकिन सत्ताधारी इससे संतुष्ट नहीं हैं. शासकों द्वारा प्री-मानसून प्रदर्शन की समीक्षा के बाद सूरत नगर पालिका के विपक्ष ने भी प्री-मानसून प्रदर्शन की समीक्षा के लिए बैठक बुलाने की मांग की है. शनिवार १५ जून २०२४ को अपराह्न ३-३० बजे प्रदर्शन की समीक्षा के लिए मनपा के पुराने स्टैंडिंग रूम में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है. जिसमें कमिश्नर सहित संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को उपस्थित रहने को कहा गया है.

नगर पालिका प्रतिपक्ष नेता पायल साकरिया ने मनपा कमिश्नर शालिनी अग्रवाल को पत्र लिखकर कहा गया है कि हर बार मानसून के मौसम में सूरत के कई हिस्सों में जलभराव, मच्छर और जल जनित बीमारियों के अलावा कई अन्य छोटी-छोटी शिकायतें आती हैं. हर बार मानसून

" અત્યંત તાકીદનું "

નોંધ :

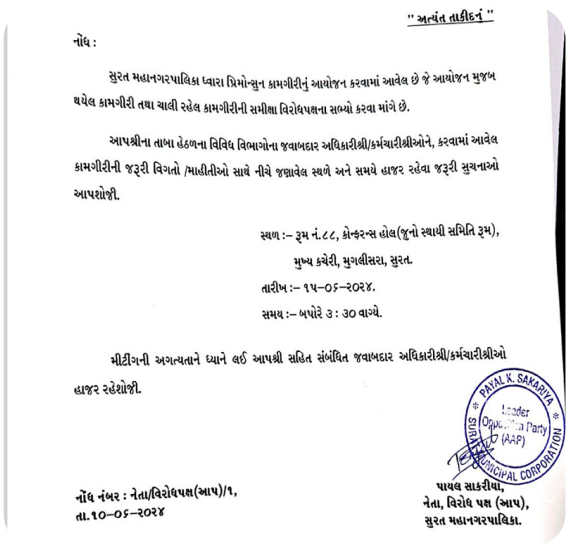

સુરત મહાનગરપાલિકા ધ્વારા પ્રિમોન્સુન કામગીરીનું આયોજન કરવામાં આવેલ છે જે આયોજન મુજબ થયેલ કામગીરી તથા ચાલી રહેલ કામગીરીની સમીક્ષા વિરોધપક્ષના સભ્યો કરવા માંગે છે.

આપશ્રીના તાબા હેઠળના વિવિધ વિભાગોના જવાબદાર અધિકારીશ્રી/કર્મચારીશ્રીઓને, કરવામાં આવેલ કામગીરીની જરૂરી વિગતો /માહીતીઓ સાથે નીચે જણાવેલ સ્થળે અને સમયે હાજર રહેવા જરૂરી સુચનાઓ આપશોજી.

સ્થળ :- રૂમ નં.૮૮, કોન્ફરન્સ હોલ(જુનો સ્થાયી સમિતિ રૂમ),
મુખ્ય કચેરી, મુગલીસરા, સુરત.
તારીખ :- ૧૫-૦૬-૨૦૨૪.
સમય :- બપોરે ૩ : ૩૦ વાગ્યે.

મીટીંગની અગત્યતાને ધ્યાને લઈ આપશ્રી સહિત સંબંધિત જવાબદાર અધિકારીશ્રી/કર્મચારીશ્રીઓ હાજર રહેશોજી.

નોંધ નંબર : નેતા/વિરોધપક્ષ(આપ)/૧,
તા.૧૦-૦૬-૨૦૨૪

PAYAL K. SAKARIYA Leader Opposition Party (AAP) SURAT MUNICIPAL CORPORATION

પાયલ સાકરીયા,
નેતા, વિરોધ પક્ષ (આપ),
સુરત મહાનગરપાલિકા.

सीजन के दौरान मनपा की प्री-मानसून ऑपरेशन की पोल खुलती है. इस वर्ष भी ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए विपक्ष के सभी नगरसेवकों को मनपा के प्री-मानसून प्रदर्शन की समीक्षा करने की आवश्यकता है ताकि लोगों को परेशानी न हो. आगे कहा कि १५ जून को सभी पार्षदों को जलजमाव वाले इलाकों की सूची लाकर अधिकारियों को सौंपने का भी निर्देश दिया गया है. इतना ही नहीं, हम एक महत्वपूर्ण बात की ओर भी ध्यान आकर्षित करने जा रहे हैं कि शहर भर में मेट्रो का परिचालन बड़े पैमाने पर चल रहा है. इसके चलते शहर की ज्यादातर सड़कों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है, जिससे हमें आशंका है कि जलभराव बढ़ सकता है. क्योंकि, बांध के कारण बारिश के दौरान प्राकृतिक रूप से निकलने वाले पानी की निकासी ठीक से नहीं हो पाएगी और सड़कों पर पानी जमा होने की संभावना अधिक है. हम यह भी जानना चाहते हैं कि ऐसी स्थिति में निगम क्या कदम उठा रहा है.